



सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण



sabsetejprj2023@gmail.com

गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026

वर्ष: 04, अंक: 212, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु.

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राष्ट्र विरोधी मंसूबे को सफल नहीं होने देगी मोदी सरकार: भाजपा

कुछ ताकतें भारत की प्रगति रोकने, समाज में विभाजन पैदा करने और भारतीय संस्कृति एवं धर्म के प्रति नफरत फैलाने का काम कर रही

नई दिल्ली/एजेंसी
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी दलों और विभिन्न आंदोलनों से जुड़े समूहों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ ताकतें भारत की प्रगति रोकने, समाज में विभाजन पैदा करने और भारतीय संस्कृति एवं धर्म के प्रति नफरत फैलाने के एजेंडे पर काम कर रही हैं। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार राष्ट्र के खिलाफ ऐसे किसी भी मंसूबे को सफल नहीं होने देगी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि विजयादशमी के अवसर पर प्रधानमंत्री ने देश को ऐसी ताकतों के प्रति आगाह किया था। उनके मुताबिक इन ताकतों के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं- सत्ता का इस्तेमाल निजी लाभ और लूट के लिए करना, समाज में आपसी मतभेद पैदा करना तथा भारतीय संस्कृति और धर्म के प्रति नफरत फैलाना। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ समूह सनातन धर्म को समाप्त करने और हिंदुत्व को खत्म करने के अभियान चलाते हैं। साथ ही भारतीय संस्थानों को लेकर भ्रामक नैरेटिव फैलाकर देश की प्रगति में बाधा डालने का प्रयास करते हैं। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि इन समूहों की मांगें लगातार बदलती रहती हैं। कभी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी),



विरोधियों का मकसद साजिश के जरिए "रेजीम चेंज" कराना है: बीजेपी

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक मांग के बाद दूसरी मांग सामने आ जाती है। उन्होंने इसकी तुलना रामायण में रावण के दस सिरों से करते हुए कहा कि एक सिर कटने पर दूसरा सामने आ जाता था। उनके अनुसार अलग-अलग आंदोलनों में बार-बार एक जैसी शब्दावली का इस्तेमाल उनके पीछे किसी साझा उद्देश्य की ओर संकेत करता है। डॉ. त्रिवेदी ने विदेश यात्राओं के बाद दिए जाने वाले कुछ राजनीतिक बयानों का उल्लेख करते हुए कहा कि कभी विदेश से एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई)



लौटने के बाद हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात कही जाती है, तो कभी सुनामी आने का दावा किया जाता है। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के बयानों को भी इसी सिलसिले से जोड़कर देखा। और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को लेकर सवाल उठाए जाते हैं, तो कभी टीकों, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम)

त्रिवेदी ने कहा कि रावण माता सीता का हरण करने के लिए साधु का वेश धारण करके आया था। इसी तरह उनके आरोप के अनुसार कुछ ताकतें अलग-अलग रूपों में अपने वास्तविक उद्देश्यों को छिपाकर काम कर रही हैं। भाजपा सांसद ने दावा किया कि इनका उद्देश्य केवल सार्वजनिक रूप से उठाए जाने वाले मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि हिंसक संघर्ष और सुनियोजित साजिश के जरिए सत्ता परिवर्तन यानी रेजीम चेंज कराना है। और मतदाता सूचियों पर सवाल खड़े किए जाते हैं।

देश की राजनीति को दिशा दे रहे हैं जनसंघ के विचार: नवीन

नई दिल्ली/एजेंसी
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनसंघ की स्थापना जिन उद्देश्यों और विचारों को लेकर की गई थी, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंघ के विचार देश की राजनीति और शासन व्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। भाजपा के पूर्ववर्ती संगठन-भारतीय जनसंघ की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम के दौरान नितिन नवीन ने पत्रकारों से कहा कि यह सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा एक विशेष उद्देश्य और मिशन के साथ स्थापित जनसंघ ने अपनी यात्रा के 75 वर्ष पूरे कर लिये हैं। जनसंघ ने जिन विचारों और लक्ष्यों के साथ अपनी शुरुआत की थी, वे आज भी देश की राजनीति और शासन व्यवस्था को दिशा दे रहे हैं। जनसंघ की स्थापना के पीछे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों को मजबूत करना, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को आगे बढ़ाना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना प्रमुख उद्देश्य थे।



उत्तर प्रदेश में, 30-31 अक्टूबर को शाह कर सकते हैं चुनावी अभियान का आगाज

नई दिल्ली
उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही बिगुल फूंकने जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस माह के आखिर में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में चुनावी तैयारियों को गति देंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 30 और 31 अक्टूबर को होने वाली भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी एक दिन के लिए शामिल होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं दोनों उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्या साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, भाजपा में उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव विनोद तावड़े राज्य के पार्टी के सभी पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों, पूर्व सांसदों के साथ संवाद करेंगे।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम् शिवम् हॉस्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम् पब्लिक एजुकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहां हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0 यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृत्ति की सुविधा भी उपलब्ध है।

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

Website : <http://sssgroup.co.in>

SATYAM SHIVAM SHUBHAM GROUP OF INTITION
TIKRI PRAYAGRAJ

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharm
D.Pharm, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने रखा दो मिनट का मौन

सबसे तेज प्रयागराज **बुलंदशहर।** पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन में समारोह आयोजित कर कर्तव्य पालन के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। सुबह आठ बजे आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह समेत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद जवानों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। साथ ही उनकी आत्मा को शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पुलिस स्मृति दिवस उन पुलिसकर्मियों के बलिदान की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस मौके पर पुलिसकर्मियों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को याद किया गया।

समारोह में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार, सहायक पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख दड़िया, क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पांडेय, क्षेत्राधिकारी यातायात अनिल कुमार शाही सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

एसपी ने पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

फतेहपुर रिजर्व पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर अधिकारियों ने अर्पित किए श्रद्धा-सुमन

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक समेत पुलिस और पीएसी के अधिकारियों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीद पुलिस जवानों को याद कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए और भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को नमन करते हुए उनके त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का स्मरण किया गया। कार्यक्रम में सेना नायक एवं उप सेनानायक, 12वीं वाहिनी पीएसी फतेहपुर, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारी और अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

शहीद पुलिसकर्मियों के बलिदान को किया याद, परिजनों को दिया मदद का भरोसा

कौशाम्बी पुलिस लाइन में स्मृति दिवस परेड आयोजित, अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर अर्पित किए श्रद्धा-सुमन

स्वाती मिश्रा कौशाम्बी। पुलिस स्मृति दिवस पर बुधवार को पुलिस लाईंस परिसर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर समारोह आयोजित कर कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के नेतृत्व में स्मृति दिवस परेड आयोजित हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक की ओर से भेजे गए संदेश भी पढ़कर सुनाए गए।

कार्यक्रम में एक सितंबर 2025 से 31 अगस्त 2026 तक देशभर में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों को याद किया गया। इस अवधि में उत्तर प्रदेश पुलिस के छह कर्मियों ने भी कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनके बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा का स्मरण किया गया।

इसके बाद पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सम्मान गार्द ने शोक परेड कर सलामी दी। शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें नमन किया गया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने जनपद में रहने वाले शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों को अंगवस्त्र भेंटकर संवेदना व्यक्त की और हरसंभव मदद का भरोसा दिया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमिता सिंह, समस्त क्षेत्राधिकारी, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीफओ), थाना व शाखा प्रभारी, प्रतिसार निरीक्षक समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

पैरा खेलों में यूपी के खिलाड़ियों का जलवा, सिमरन ने जीते दो स्वर्ण

केशव मोर्य ने पदक विजेताओं को दी बधाई, कहा- युवाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत

सबसे तेज प्रयागराज लखनऊ। एशियाई पैरा खेल-2026 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन और हढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। उनकी उपलब्धियां प्रदेश के युवाओं और उभरती खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रतियोगिता में सिमरन शर्मा ने महिला 100 और 200 मीटर दौड़ (टी-12) में दो स्वर्ण पदक जीते। प्रवीण कुमार ने ऊंची कूद में स्वर्ण पदक हासिल किया। आयुष वर्मा ने गोला फेंक में स्वर्ण और भाला फेंक में कांस्य पदक अपने नाम किया।

प्रीति पाल ने महिला 100 और 200 मीटर दौड़ (टी-35) में दो रजत पदक जीते। अजीत सिंह ने भाला फेंक, प्रदीप कुमार ने भाला फेंक और राम रतन सिंह ने डिस्कस थ्रो में रजत पदक हासिल किया। वहीं, प्राची पांडेय ने टेबल टेनिस, अनुभव चौधरी ने 100 मीटर दौड़ और स्वाति चौधरी ने आदिल अंसारी के साथ तीरंदाजी की डब्ल्यू-1 मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार भी खेल सुविधाओं के विस्तार और प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि खिलाड़ी भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेंगे।

सातवें श्रृंग्वेरपुर महोत्सव की सफलता के लिए 24 अक्टूबर को होगा गंगा पूजन

मुख्य अतिथि के रूप में विधायक एवं भाजपा उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल रहेंगी मौजूद, तीन दिवसीय महोत्सव में जलेंगे सवा लाख दीप

सबसे तेज प्रयागराज

श्रृंग्वेरपुरधाम, प्रयागराज। पौराणिक एवं धार्मिक नगरी श्रृंग्वेरपुरधाम में 6 से 8 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले सातवें श्रृंग्वेरपुर महोत्सव की सकुशल एवं सफलतापूर्वक संपन्नता के लिए शनिवार, 24 अक्टूबर को गंगा पूजन का आयोजन किया जाएगा। श्रीरामघाट, श्रृंग्वेरपुरधाम में सुबह 11 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के



साथ मां गंगा का पूजन-अर्चन कर महोत्सव के सफल आयोजन की कामना की जाएगी।

गंगा पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चायल विधायक एवं भाजपा उत्तर प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल मौजूद रहेंगी। आयोजन को लेकर आयोजक समिति की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। मां गंगा की आराधना के

साथ क्षेत्र की सुख-समृद्धि और महोत्सव के निर्वघ्न संपन्न होने की कामना की जाएगी।

सवा लाख दीपों से जगमगाएगा श्रृंग्वेरपुरधाम जय श्रीराम सेवा समिति श्रृंग्वेरपुरधाम के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय सातवें श्रृंग्वेरपुर महोत्सव में धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान

विधान परिषद चुनाव के लिए पुलिसकर्मियों को किया ब्रीफ, 22 केंद्रों पर होगा मतदान 17,686 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग, सुरक्षा के लिए लगाए गए 22 बैरियर

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधान परिषद खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन-2026 को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 23 अक्तूबर को होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए बुधवार को निकुंज हॉल में जिलाधिकारी कुमार हर्ष और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने निर्वाचन ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को ब्रीफ किया।

अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करने और मतदान केंद्रों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। जिले में 22 मतदान केंद्रों पर 65

मतदेय स्थल बनाए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए 22 स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। निर्वाचन कार्य



में सात जोनल मजिस्ट्रेट, 20 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 260 कार्मिक और 28 रिजर्व कार्मिक लगाए गए हैं।

सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा मतदान

जिले में 10,768 स्नातक और 6,918 शिक्षक मतदाता हैं। दोनों श्रेणियों में कुल 17,686 मतदाता

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सशक्तीकरण, नए आपराधिक कानूनों और साइबर अपराधों से बचाव के बारे में बताया। साथ ही बालिकाओं को गुड टच-बैड टच की पहचान करने, आत्मरक्षा के उपाय अपनाने और किसी भी तरह की परेशानी होने पर तत्काल सहायता लेने के लिए जागरूक किया गया।

पुलिस टीमों ने सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने की अपील भी की। महिलाओं एवं बालिकाओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध नि:शुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी देकर जरूरत पड़ने पर इसका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक बनाकर उनकी सुरक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा।

मतदान कक्ष में मोबाइल ले जाने पर रोक जिलाधिकारी और एसएसपी ने निर्देश दिए कि पुलिसकर्मी समय से ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर जिम्मेदारी निभाएं। मतदान केंद्रों पर सदिग्ध

ई-रिक्शा से टकराई बाइक, युवक की मौके पर मौत, सिर में गंभीर चोट लगने से गई जान



सबसे तेज प्रयागराज लालगोपालांज, प्रयागराज। लखनऊ राजमार्ग पर इब्राहिमपुर के पास बुधवार शाम दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। ई-रिक्शा से टक्कर के बाद युवक के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी जान चली गई। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। टक्कर से मोटर साइकिल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई घटना के बाद लखनऊ राजमार्ग पर लोगो का जमावड़ा लग गया जानकारी के अनुसार, प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा क्षेत्र के जगतपुर एथा निवासी सुनील कुमार पटेल (25) पुत्र बंशीलाल पटेल बुधवार शाम करीब चार बजे बाइक से कुंडा की तरफ से आ रहा था। इसी दौरान इब्राहिमपुर स्थित लखनऊ राजमार्ग पर उसकी बाइक ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी गंभीर थी कि युवक के सिर में गंभीर चोट आई और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बताया जाता

सवा लाख दीप प्रज्वलित किए जाएंगे, जिससे श्रृंग्वेरपुरधाम दीपों की रोशनी से जगमगा उठेगा। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित किया जाएगा। जय श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी एवं महामंत्री तथा संचालक अरुण द्विवेदी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि श्रृंग्वेरपुर महोत्सव क्षेत्र की गौरवशाली परंपराओं और धार्मिक महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने श्रद्धालुओं, क्षेत्रवासियों एवं धर्मप्रेमियों से शनिवार, 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे श्रीरामघाट पहुंचकर गंगा पूजन में शामिल होने तथा महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की।

फतेहपुर में 10 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई

67 से अधिक मुकदमों में आरोपित अपराधियों पर पुलिस रखेगी नजर, चोरी-लूट और अपहरण समेत कई अपराधों में हैं शामिल

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने 10 शातिर अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई के तहत चोरी, लूट, फिरोती के लिए अपहरण और नकबजनी जैसे अपराधों में संलिप्त आरोपितों की निगरानी की जाएगी। इन अपराधियों के खिलाफ फतेहपुर सहित अन्य जनपदों के विभिन्न थानों में 67 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

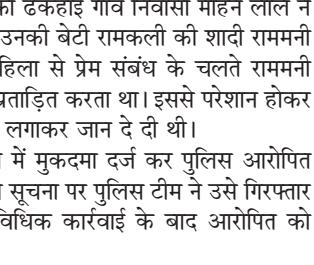
पुलिस के मुताबिक, हिस्ट्रीशीट खोले जाने के बाद संबंधित अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाएगी, ताकि अपराधों की रोकथाम की जा सके और कानून-व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

कार्रवाई के दायरे में हुसैनगंज, राधानगर, कल्यानपुर, धाता, खखरेरू और बकेवर थाना क्षेत्रों के अपराधी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इन पर चोरी और नकबजनी के अलावा लूट, गैंगस्टर तथा फिरोती के लिए अपहरण जैसे अपराधों से जुड़े मामले भी दर्ज हैं।

पुलिस का कहना है कि अपराध नियंत्रण अभियान के तहत ऐसे अभ्यस्त अपराधियों की निगरानी और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोपित पति गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज कौशाम्बी। मंझनपुर पुलिस ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के मामले में वांछित आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे धाता मोड़ के पास से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपित राममनी निवासी गौसपुर टिकरी, थाना मंझनपुर है।



पुलिस के मुताबिक, 19 अक्तूबर को ढेकहाई गांव निवासी मोहन लाल ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनकी बेटी रामकली की शादी राममनी से हुई थी। आरोप है कि दूसरी महिला से प्रेम संबंध के चलते राममनी उनकी बेटी को मारता-पीटता और प्रताड़ित करता था। इससे परेशान होकर रामकली ने 18 अक्तूबर को फांसी लगाकर जान दे दी थी।

तहरीर के आधार पर मंझनपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपित की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि विधिक कार्रवाई के बाद आरोपित को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

वारंटी आरोपी गिरफ्तार कौशाम्बी। कौशाम्बी थाना पुलिस ने आबकारी अधिनियम के पुराने मामले में वारंटी बुर्धई को गिरफ्तार किया है। वह बड़ा गढ़वा मजरा कोसम इनाम गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ वर्ष 2011 में पूरामुफ्ती थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज था। मामले में जारी वारंट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

गंगा में नहाने गए दो किशोर डूबे, तलाश में जुटे गोताखोर

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के आलमपुर नरही गांव के दो किशोर बुधवार को गंगा नदी में नहाते समय गहरे पानी में डूब गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश शुरू कराई। देर तक उनका पता नहीं चल सका।

पुलिस के अनुसार, आलमपुर नरही निवासी गजराज उर्फ गच्जू (14) पुत्र पप्पू सेंगर और पुषेंद्र (15) पुत्र कल्लू पाल गंगा नदी में नहाने गए थे। दोनों गांव के प्रतिमा विसर्जन स्थल से करीब दो किलोमीटर पहले नदी में उतर गए। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान नहीं हुई घटना पुलिस ने स्पष्ट किया कि घटना के समय गांव में दुर्गा प्रतिमा मौजूद थी और विसर्जन के लिए रवाना नहीं हुई थी। दोनों किशोर प्रतिमा विसर्जन से पहले ही नदी में स्नान करने चले गए थे। पुलिस स्थानीय गोताखोरों की मदद से दोनों की तलाश करा रही है।

किशनपुर पुलिस ने दो वारंटी किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर। किशनपुर थाना पुलिस ने बुधवार को अभियान चलाकर दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में महावतपुर असहट गांव निवासी बलराम उर्फ बब्लू निषाद और हमेश कुमार शामिल हैं। बलराम उर्फ बब्लू निषाद आबकारी अधिनियम के एक मामले में वांछित था, जबकि हमेश कुमार के खिलाफ परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 से संबंधित मामले में वारंट जारी था।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछितों और वारंटीयों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक गुरुदयाल सिंह और कांस्टेबल कमलेश राजभर शामिल रहे।

पुलिस उपायुक्त ने साइबर सेल का किया औचक निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। मंगलवार को पुलिस उपायुक्त गंगानगर एवं नोडल अधिकारी साइबर क्राइम, कमिश्नरेट प्रयागराज ने पुलिस लाइन स्थित साइबर सेल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एन0सी0आर0पी0, सहयोग, समन्वय, एम0आर0एम0 एवं जी0आर0एम0 पोर्टलों पर लाइव लॉगिन कर उनके संचालन की गहन समीक्षा की। पुलिस उपायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराध के पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर अधिकतम सहायता देने तथा प्रत्येक शिकायत का त्वरित, निष्पक्ष एवं विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

महिलाओं की आय और आत्मनिर्भरता में इजाफा

टीएचआर उत्पादन से जुड़ी गतिविधियों के जरिए महिलाओं को नियमित रोजगार और आय अर्जित करने का अवसर मिला है। इससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सहयोग मिलने के साथ महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और समाज में उनकी पहचान मजबूत हुई है।

समूहों को रोजगार और स्वरोजगार के स्थायी अवसरों से जोड़ रहा है।

टीएचआर उत्पादन इकाइयां महिला सशक्तीकरण, पोषण सेवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

50 लाख से अधिक लाभार्थियों तक पहुंच रहा अनुपूरक पोषण प्रदेश के 43 जिलों के 328 विकास खंडों में संचालित 204 टीएचआर



मौट्रिक टन टीएचआर का उत्पादन किया है, जिसका कुल मूल्य 3,104.23 करोड़ रुपये है। इस गतिविधि से महिला समूहों ने 68.8 करोड़ रुपये से अधिक की आय अर्जित की है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य के दिशा-निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग के अधीन उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन स्वयं सहायता

मिशन शक्ति अभियान में 640 ग्राम प्रहरी सम्मानित, महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

करियर गाइडेंस से साइबर सुरक्षा तक चले कार्यक्रम, बाल विवाह और घरेलू हिंसा के खिलाफ भी अभियान

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए कमिश्नरेट पुलिस की ओर से मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत दस दिवसीय अभियान चलाया गया। 11 से 20 अक्तूबर तक नगर, गंगानगर और यमुनानगर जोन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को उनके अधिकारों, सरकारी योजनाओं और सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन की जानकारी दी गई। इस दौरान 640 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया गया, जबकि छात्राओं को करियर गाइडेंस और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर पिपुष मोडिया, अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था अजय पाल शर्मा

समेत कई अफसर मौजूद रहे।

ग्राम प्रहरियों का मानदेय बढ़ाने की दी जानकारी

13 अक्तूबर को रिजर्व पुलिस लाइंस में आयोजित ग्राम प्रहरी सम्मान समारोह में कमिश्नरेट के 640 ग्राम प्रहरियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम चौकीदारों का मासिक मानदेय 2500 रुपये से बढ़ाकर 3500 रुपये किए जाने और पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा की जानकारी दी गई। ग्राम प्रहरियों से गांवों में सदिग्ध गतिविधियों और जमीन पर अवैध कब्जे की सूचना पुलिस तक पहुंचाने की अपील की गई। यातायात नियमों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम में महिला पुलिसकर्मियों और



एनसीसी की महिला कैडेटों ने भी भाग लिया।

छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के बताए तरीके

अभियान के तहत 15 अक्तूबर को विभिन्न थानों में छात्राओं के लिए करियर गाइडेंस कार्यक्रम और साइबर सुरक्षा कार्यशालाएं

आयोजित की गईं। छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क कोचिंग और मार्गदर्शन की जानकारी दी गई। यूपीएससी, यूपीपीएससी, जेईई, नीट, एनडीए, सीडीएस और एसएससी समेत विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी,

प्रत्याशी अशोक राठौर के समर्थन में बैठकों का दौर तेज, 23 को होगा मतदान

फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने की प्रथम वरीयता का मत देकर भारी मतों से जिताने की अपील

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद-झाँसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव के लिए सरगमीं तेज हो गई है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान को देखते हुए भाजपा समर्थित प्रत्याशी अशोक राठौर के पक्ष में जनसंपर्क और बैठकों का दौर लगातार जारी है। इसी क्रम में कोटवा, धनैचा और हनुमानगंज क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समर्थन बैठकें संपन्न हुईं।

फूलपुर विधायक दीपक पटेल ने कोटवा स्थित तिलक महाविद्यालय इंटर कॉलेज में आयोजित विशाल बैठक को संबोधित करते हुए स्नातक मतदाताओं से प्रत्याशी अशोक राठौर के पक्ष में एकजुट होकर मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित वर्ग के विकास और उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए अशोक राठौर का जीतना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त,



धनैचा के आशुतोष मेमोरियल स्कूल और कोटवा के तिलक इंटर कॉलेज में भी जनसभाओं का आयोजन किया गया। विधायक दीपक पटेल ने सभी स्नातक मतदाता बंधुओं से आग्रह किया कि वे आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान में अशोक राठौर को प्रथम वरीयता का मत देकर भारी मतों से विजयी बनाएं। विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि

पंजीकरण और पाठ्यक्रम के बारे में बताया गया। साइबर ठगी से बचाव और सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के तरीके भी समझाए गए।

बाल विवाह और घरेलू हिंसा के खिलाफ जागरूकता

18 अक्तूबर को सरायममरेज क्षेत्र के खिजिरिहा गांव स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में नुकड़ नाटक और लघु फिल्म के जरिए बाल विवाह तथा सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम हुआ। 19 अक्तूबर को एसिड अटैक सर्वाइवर्स के प्रोत्साहन और सहयोग के लिए कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें अधिकारों, गैरलू हिंसा और उत्पीड़न से संबंधित जानकारी दी गई।

इससे पहले 14 अक्तूबर को खुल्दाबाद स्थित नारी संरक्षण गृह में दीपावली के अवसर पर खाद्य सामग्री, वस्त्र और अन्य जरूरी सामान वितरित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। **पिंक समाधान दिवस में सुनीं महिलाओं की शिकायतें** 16 और 17 अक्तूबर को मिशन शक्ति केंद्रों, परिवार परामर्श केंद्र और पिंक समाधान दिवस के माध्यम से महिलाओं की शिकायतों पर कार्रवाई की गई। पारिवारिक विवादों के निस्तारण से जुड़े मामलों में पीड़िताओं और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

पेंशनरों को 1 नवंबर से जमा करना होगा जीवित प्रमाण-पत्र

सिविल लाइन्स कोषागार ने जारी की सूचना, ऑनलाइन सुविधा से घर बैठे भी कर सकेगे आवेदन

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। सिविल लाइन्स कोषागार से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों को 1 नवंबर 2026 से अपना जीवित होने का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस संबंध में वरिष्ठ कोषाधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आवश्यक जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पेंशनर 1 नवंबर से प्रातः 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक इंदिरा भवन, सिविल लाइन्स के भूतल पर उपस्थित होकर अपना जीवित प्रमाण-पत्र जमा कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनरों को पेंशनर परिचय-पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक साथ लाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि जो पेंशनर शारीरिक असमर्थता या अन्य कारणों से कोषागार पहुंचने में असमर्थ हैं, वे ऑनलाइन सुविधा का उपयोग कर घर बैठे अपना जीवित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए www.jeevan-pramaan.gov.in पोर्टल, पोस्ट ऑफिस, जीवन प्रमाण ऐप तथा आधार फेस आरडी ऐप की सहायता ली जा सकती है।

छेड़खानी का विरोध करने पर युवती के भाइयों और महिला पीआरडी जवान पर हमला

न्यू मम्फोर्डगंज में युवती समेत चार घायल, सिविल लाइंस में ड्यूटी से लौट रही महिला जवान से मारपीट, दोनों मामलों में एफआईआर

बीमार मिले युवक की अस्पताल में मौत

धूमनगंज थाना क्षेत्र में विगत दिनों बीमार मिले अज्ञात युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी। पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। अज्ञात में पुलिस ने शव को पीएम के लिए

आयोजित जागरण देखने गई थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसके साथ छेड़खानी की। विरोध करने पर आरोपितों ने गालीगलौज करते हुए अभद्र व्यवहार किया। शोर सुनकर पहुंचे उसके तीन भाइयों ने विरोध किया तो रिशु, कुन्नु, हर्ष, गौतम, माया समेत आठ-दस अज्ञात लोगों ने एकजुट होकर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लाठी-डंडों और ईंट से चार किए, जिससे

भेज दिया है।

नींचा चौकी प्रभारी कपिल द्विवेदी ने बताया कि धूमनगंज के अबूबकरपुर प्रीतम नगर में लगभग ४१ वर्षीय अज्ञात युवक १५ दिन पहले बीमारी की अवस्था में मिला था। उसे

युवती और उसके तीनों भाई घायल हो गए। कर्नलगंज पुलिस ने नामजद आरोपितों समेत अर्न्त के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। दूसरी घटना सिविल लाइंस में हनुमान मंदिर के पास हुई। महिला पीआरडी जवान ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को वह पथरचट्टी रामलीला में ड्यूटी करने के बाद घर लौट रही थीं। इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह युवकों ने उन्हें

कालिवन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उसकी इलाज के दौरान तीन दिन पहले मौत हो गयी। पुलिस ने युवक के शव की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

देखकर अश्लील टिप्पणियां कीं और सीटी बजाने लगे। विरोध करने पर रामजी नाम का युवक पीछे से आया और उन पर हमला कर दिया। इसके बाद वह बाइक से भाग निकला। घटना के समय महिला जवान के साथ दो अन्य पीआरडी जवान भी थे। सिविल लाइंस पुलिस ने रामजी, दीपांशु सुनकर, सलमान समेत छह युवकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

छह साल पुराने मामले में आरोपी को छह वर्ष का कठोर कारावास

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत सरायममरेज के मुकदमे में आया फैसला, गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी करार

सबसे तेज प्रयागराज

गंगापार/प्रयागराज। सरायममरेज थाने में दर्ज छह साल पुराने गैर इरादतन हत्या के मामले में अदालत ने आरोपी को छह वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत प्रभावी विवेचना और अभियोजन की पैरवी के बाद यह फैसला आया। मामला सरायममरेज थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 434/2020 से जुड़ा है। इसमें कटेहरी गांव निवासी बचनी उर्फ बच्चन मंगता पुत्र फौजदार मंगता पर मारपीट, गाली-गलौज, धमकी और गैर इरादतन हत्या के आरोप थे। बुधवार को अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष संख्या-01, प्रयागराज की अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

अन्य धाराओं में भी सुनाई सजा

अदालत ने गैर इरादतन हत्या के मामले में छह वर्ष का कठोर कारावास और पांच हजार रुपये जुमाना लगाया। इसके अलावा मारपीट के मामले में एक वर्ष का कारावास और 500 रुपये जुमाना, गाली-गालौज में दो वर्ष का कारावास और 500 रुपये जुमाना तथा धमकी देने के मामले में दो वर्ष का कारावास और 500 रुपये जुमाने की सजा सुनाई।

पैरवी में इनकी रही भूमिका

मामले में प्रभावी पैरवी करने में एडीजीसी त्रिगुनीनारायण दीक्षित, थानाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह, कोर्ट मोहरीर महिला कांस्टेबल मनीषा पाल और पैरोकार कांस्टेबल शशिकांत की अहम भूमिका रही। पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी जारी रहेगी, ताकि दोषियों को सजा दिलाकर पीड़ितों को न्याय मिल सके।

नवाबगंज पुलिस ने रंगदारी मांगने वाला शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। नवाबगंज पुलिस ने रंगदारी मांगने और मारपीट के मामले में वांछित चल रहे शातिर अभियुक्त कोकिया गिरफ्तार। नवाबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त अजय कुमार विश्वकर्मा पुत्र राधेश्याम निवासी आदमपुर ने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित के साथ गाली-गलौज व मारपीट की थी और तमंचे के बल पर 5 हजार रुपये छीनकर रंगदारी मांगी थी। पीड़ित की तहरीर पर थाना नवाबगंज में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने अभियुक्त को हथिगाहीं, रामपुर मार्ग स्थित हनुमान मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है, उसके खिलाफ झूसी व नवाबगंज थाने में गैंगस्टर, धोखाधड़ी और जालसाजी के तीन मुकदमे पहले से दर्ज हैं, पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए भेजा जेल।

मादक पदार्थ में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार



सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। सोरांव पुलिस ने एन0डी0पी0एस0 एक्ट के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार। सोरांव थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त धीरज मौर्या पुत्र राम किशुन मौर्या निवासी मलाका, थाना फाफामऊ का रहने वाला है, पुलिस टीम ने उसे तहसील सोरांव गेट के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ थाना सोरांव में एन0डी0पी0एस0 एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत था और वह फरार चल रहा था। इसके अलावा उसके खिलाफ मारपीट का एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है, आरोपी के खिलाफ पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया।

केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने हरिश द्विवेदी की दिवंगत माताजी की दी श्रद्धांजलि



सबसे तेज प्रयागराज बस्ती। केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार तथा कर्नाटक के प्रभारी हरिश द्विवेदी की पूज्य माताजी के निधन के बाद आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवार के सदस्यों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग खराब होने पर सीडीओ नाराज, अधिकारियों से मांगा स्पष्टीकरण

निर्माण कार्यों में देरी और योजनाओं के कमजोर प्रदर्शन पर जताई नाराजगी, अगले माह तक ए श्रेणी में लाने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास योजनाओं की खराब रैंकिंग और निर्माण कार्यों में देरी पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने नाराजगी जताई। बुधवार को संगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने सी और डी श्रेणी में प्रदर्शन कराने वाले विभागों के अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी कि अगले माह तक योजनाओं की रैंकिंग ए श्रेणी में नहीं पहुंची तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में हुई बैठक में जननी



सुरक्षा योजना की सी श्रेणी, ओडीओपी टूलकिट योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना की डी श्रेणी तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की सी श्रेणी पर

सीडीओ ने नाराजगी जताई। सेतुओं के निर्माण में डी श्रेणी होने पर भी संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा गया। बैठक में अनुपस्थित रहने पर उत्तर प्रदेश

राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ के अधिशासी अभियंता से भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा गया। सीडीओ ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यदायी संस्थाओं को परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ाने की जरूरत है, उनके लिए सक्षम स्तर से नियमानुसार कार्रवाई कराई जाए। पूरी हो चुकी परियोजनाओं को संबंधित विभागों को हस्तांतरित करने और अथुर् कार्यों को जल्द पूरा कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने सीएम डैशबोर्ड पर बी, सी और डी श्रेणी वाले विभागों की प्रतिदिन निगरानी करने तथा योजनाओं से संबंधित गूगल शीट नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा कि अपने विभाग की योजनाओं की लगातार समीक्षा करें और पात्र लाभार्थियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाएं। कार्यों में लापरवाही और उदासीनता किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में परियोजना निदेशक भूपेंद्र कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संतोष कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कुरेश्वर घाट पर गंगा स्नान के दौरान डूबे दो लोग, एक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

सबसे तेज प्रयागराज नवाबगंज। क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुर चांघन उर्फ घाटमपुर निवासी सुनीता यादव और कोइहारा निवासी सुरेश केसरवानी के कुरेश्वर घाट पर गंगा स्नान के दौरान डूबने की अलंत दुखद घटना सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निमला पासवान ने कुरेश्वर घाट पहुंचकर मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी एनडीआरएफ (ठअम्ब्रे) की टीम तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली और खोज अभियान में तेजी लाने का आग्रह किया।

कुछ समय पश्चात सुरेश केसरवानी का शव बरामद कर लिया गया, जिससे शोक की लहर दौड़ गई। वहीं, सुनीता यादव की तलाश अभी भी जारी है।



इस दुखद घड़ी में भाजपा जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों ने गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह असहनीय दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। साथ ही, सुनीता यादव की सकुशल तलाश के लिए भी लगातार दुआएं की जा रही हैं। थोड़ी देर बाद विधायक

फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या भी मौके पर पहुंचे इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, जिला मंत्री राजू पाल, तुलसी राम

सरोज, राजेन्द्र मिश्रा, अरितक्व सिंह और गुड्डू राजा, एसपी सोरांव श्यामजीत सिंह एसएचओ नवाबगंज पंकज अवस्थी चौकी प्रभारी सूर्य प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

अखिलेश की नाराजगी

सिनेमा और राजनीति का रिश्ता हमेशा से गहरा रहा है, लेकिन जब परदे की कहानियां सीधे तौर पर चुनावी मैदान के समीकरणों और राजनीतिक दलों के इतिहास को प्रभावित करने लगें, तो सियासत गरमाना लाजिमी है। हाल ही में रिलीज हुई बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। अखिलेश यादव ने इस फिल्म को सीधे तौर पर एक सरकारी प्रोपेगेंडा करार देते हुए यह तक कह दिया है कि भविष्य में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस पूरे मामले की गहन जांच कराई जाएगी। आखिर क्या वजह है कि एक कर्माशियल फिल्म पर सूबे के इतने बड़े राजनेता को इतनी कड़ी आपत्ति जतानी पड़ी और क्यों उन्होंने सरकार बनने पर जांच की बात कहकर राजनीतिक दांव चला है, इसे वर्तमान और अतीत के राजनीतिक घटनाक्रम के आइने में आसानी से समझा जा सकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में वह किस्सा है जिसका इस्तेमाल हालिया दौर के राजनीतिक नैरेटिव को गढ़ने के लिए किया जा रहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर और इसके सीक्वेंस में पूर्वांचल के एक चर्चित माफिया डॉन के किरदार और उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई तथा आतंकी संगठनों के साथ संबंधों को परदे पर दिखाया गया है। यह किसी से छिपा नहीं है कि उक्त माफिया राजनेता अतीत में समाजवादी पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा तक पहुंच चुका था। राजनीतिक विरोधियों ने इस सिनेमैटिक प्लॉट का इस्तेमाल तुरंत समाजवादी पार्टी को घेरने के लिए हथियार के रूप में करना शुरू कर दिया। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे उन पोस्टरों और विज्ञापनों ने आग में घी का काम किया, जिसमें सपा के पुराने शासनकाल की तुलना फिल्म के कासपिनिक और अराजक राज से कर दी गई। जब किसी दल के पूरे राजनीतिक अतीत, उसकी कार्यप्रणाली और पुराने दौर के दागों को बड़े परदे के जरिए जनमानस के बीच इस तरह परोसा जाए कि सीधा संबंध किसी खास दल से जुड़े होने का आभास हो, तो दल के मुखिया के लिए उस पर प्रतिक्रिया देना राजनीतिक मजबूरी बन जाता है।

अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख महज एक फिल्म तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत भाजपा सरकार पर विपक्षियों की छवि धूमिल करने के लिए सरकारी तंत्र और संसाधनों के दुरुपयोग का आरोप लगाया जाता रहा है। अखिलेश ने यह सवाल उठाकर कि इस तरह के फिल्म निर्माण में भारी-भरकम पैसा कहाँ से आ रहा है और कौन लोग इसके पीछे हैं, एक तीर से कई निशाने साधे हैं। उनका यह बयान इस बात का प्रतीक है कि समाजवादी पार्टी अब वैचारिक और सांस्कृतिक मोर्चे पर भी आक्रामक तेवर अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। जब राजधानी में विपक्षी खेमे द्वारा लगातार ऐसे पोस्टर चस्पा किए जाएं जो पार्टी के पुराने शासनकाल को अपराध और अंडरवर्ल्ड के गठजोड़ के रूप में चित्रित करें, तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर अखिलेश यादव के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह इन हमलों को सिर्फ जुबानी जमाखर्च से न टालों, बल्कि भविष्य की सत्ता का विश्वास दिलाकर अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखें और विरोधियों को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दें।

सरकार बनने पर फिल्म निर्माण और इसके वित्तपोषण की जांच करए जाने की बात कहकर अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के समर्थकों और कैडर को भी एक कड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों, कानून-व्यवस्था के मुद्दों और ब्राह्मणों के उत्पीड़न जैसे अन्य समकालीन मुद्दों के बीच, धुरंधर जैसी फिल्मों के जरिए बन रहे नैरेटिव को काउंटर करना समाजवादी पार्टी के लिए अस्तित्व का लड़ाई जैसा बन गया है। अखिलेश भली-भांति समझते हैं कि यदि जनता के बीच इस प्रोपेगेंडा का माकूल जवाब समय रहते नहीं दिया गया, तो यह उनकी पार्टी की सेक्युरिटी और प्रगतिशील छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

2014-2026 : भारत में गरीबी कितनी बदली ?

आचार्य सी ए. प्ऱा. डॉ. शंकर घनशामदास अंदांनी

गरीबी किसी देश के विकास को मापने का महत्त्वपूर्ण पैमाना है। भारत में पिछले दशक के दौरान गरीब परिवारों की जीवन-स्थितियों, उपभोग और बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच में सुधार के संकेत मिले हैं। लेकिन गरीबी का सही आकलन करते समय यह समझना जरूरी है कि आय या खर्च के आधार पर मापी गई गरीबी और शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास तथा स्वच्छता जैसी सुविधाओं से जुड़ी बहुआयामी गरीबी अलग-अलग अवधारणाएँ हैं।

आँकड़े क्या बताते हैं ?

नीति आयोग की जनवरी 2024 में प्रकाशित चर्चा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी का अनुमानित अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हुआ। इस अवधि में लगभग 24.82 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर आने का अनुमान लगाया गया। ध्यान देने योग्य है कि 2013-14 और 2022-23 के ये आँकड़े प्रत्यक्ष रूप से किए गए वार्षिक सर्वेक्षणों के परिणाम नहीं, बल्कि उपलब्ध राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणों के आधार पर निकाले गए अनुमान हैं। विश्व बैंक की 2025 की संशोधित अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के अनुसार, प्रतिदिन 3 डॉलर (2021 की क्रय-शक्ति समता के आधार पर) से कम पर जीवन बिताने वाली आबादी का अनुपात 2011-12 में 27.1 प्रतिशत था, जो 2022-23 में घटकर 5.3 प्रतिशत हुआ। यह मौद्रिक गरीबी का अलग माप है; इसकी तुलना नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी के आँकड़ों से सीधे नहीं की जानी चाहिए।

सरकारी योजनाओं की भूमिका

प्रधानमंत्री कृषि कल्याण अन्न योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों को मजदूरी आधारित रोजगार का अवसर दिया। जन-धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, आवास योजनाओं और स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रमों ने अलग-अलग रूपों में गरीब परिवारों की सहायता की है।

इन पहलों का वास्तविक प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि लाभ समय पर और सही व्यक्ति तक पहुँचे। खाद्य सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएँ आर्थिक दबाव कम कर सकती हैं, लेकिन स्थायी गरीबी उन्मूलन के लिए नियमित रोजगार, पर्याप्त मजदूरी और बेहतर शिक्षा भी आवश्यक हैं।

गरीबी की चुनौती अभी समाप्त नहीं

गरीबी के अनुपात में कमी के बावजूद अनेक परिवार अनियमित रोजगार, महँगे इलाज, शिक्षा के खर्च, महँगाई और प्राकृतिक आपदाओं के कारण फिर आर्थिक संकट में आ सकते हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खसराों का अंतर भी बना हुआ है। महिलाओं के लिए सुरक्षित रोजगार, छोटें किसानों की आय और असंगठित श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

वर्ष 2044 तक विकसित भारत के लक्ष्य के लिए केवल गरीबी रेखा से ऊपर उठाना पर्याप्त नहीं होगा। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ, कोशल प्रशिक्षण, उत्पादक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा को साथ लेकर चलना होगा। निष्कर्षतः, 2014 के बाद उपलब्ध आँकड़े भारत में गरीबी घटने की उल्लेखनीय प्रवृत्ति दिखाते हैं।

संजय सक्सेना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग जीवन भर बच्चे ही बने रहते हैं। बबुआ भी यही करते थे। वो दोपहर 12 बजे सो कर उठते थे। दो बजे तैयार होते थे। पांच बजते-बजते उनके जिम जाने का समय हो जाता था और शाम 7 बजे महफिल सज जाती थी। देश-प्रदेश के बारे में सोचने के लिए उनके पास समय ही कहाँ होता था। प्रदेश की कानून-व्यवस्था का हाल तो ये था कि महिलाओं को सबसे बड़ा खतरा इन्हीं सपाइयों से ही था। मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब सरकारें प्रदेश के विकास के लिए काम करती हैं तो उसका लाभ समाज के हर तबके को मिलता है।दरअसल, अखिलेश यादव आजकल कोई भी बात सीधे नहीं कहते हैं। उनकी भाषा में तंज ज्यादा और साफगोई कम नजर आती है। वह जो भी मुद्दे उठाते हैं, उसमें भी वह अपने सियासी फायदे पर ज्यादा ध्यान देते हैं। हर घटना का नाटकीय रूपांतरण कर देते हैं। चंदा चोरी में भी यही देखने को मिल रहा है। उनके सांसद और नेता हर जगह कथित रूप से दानपात्र लेकर हर जगह दिखाई पड़ने लगे हैं।

आजकल अखिलेश ने सॉफ्ट हिन्दुत्व के चक्कर में मुस्लिम वोट बैंक की सियासत को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया है। इस पर ओवैसी उन पर हमेशा हमलावर रहते हैं। वहीं कुछ मुसलमान तो यहां तक कहते हैं कि अखिलेश ने जिस धर्म में जन्म नहीं लिया, वह उसके नहीं हुए तो हमारे क्या होंगे। यही बात ओवैसी की मुसलमानों को समझाने में लगे हैं। अखिलेश के पीडीए का भी यही



हाल है। कभी वह पीडीए को पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक बताते हैं तो कभी पीडीए का मतलब पिछड़ा-दलित और ए का मतलब आधी आबादी बताने लगते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने पीडीए में पीडी को पंडितों का शॉर्ट फॉर्म बता दिया। बात-बात पर उनके जनप्रतिनिधि संसद से लेकर विधानसभा तक हंगामा खड़ा कर देते हैं। लोकतंत्र के मंदिर में प्रदर्शन करते हैं। हाल यह है कि कोई पत्रकार उनसे सख्त सवाल पूछ लेता है तो वह उसे गोदी मीडिया और बीजेपी वाला बता देते हैं।

दुखद यह है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी जंग का स्तर लगातार गिरता और नया रूप ले रहा है, जहां व्यक्तिगत बयानों से लेकर रणनीतिक बदलावों तक हर बात पर सूबे की सियासत गरमाई हुई है। हाल ही में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर किया गया करारा तंज इस

बदलता संघ और बदलता युवा: संघ प्रमुख मोहन भागवत का जेन-जी के नाम संदेश

अशोक भाटिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परंपरा, अनुशासन और प्राचीन मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए जाना जाता है। ऐसे में जब संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत समकालीन युवा पीढ़ी—जिन्हें जेन-जी और जेन-अल्फा कहा जाता है—के पक्ष में खुलकर खड़े होते हैं, तो यह भारतीय विमर्श में एक युगांतरकारी मोड़ का संकेत है। हाल ही में संघ प्रमुख ने जिस बेबाकी और संवेदनशीलता के साथ युवाओं की सोच, उनके अधिकारों, उनके विरोध प्रदर्शनों और उनकी देशभक्ति का समर्थन किया है, उसने देश के नीति-निर्मातोंओं और पुरानी पीढ़ी को आत्ममंथन करने पर मजबूर कर दिया है। यह संदेश दर्शाता है कि संघ समय के साथ न केवल बदल रहा है, बल्कि एए भारत की नई सोच को अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। डिजिटल बदलावों और बदलते सामाजिक परिवेश के बीच यह संदेश राष्ट्र निर्माण की एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

अमूमन हर दौर में पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से शिकायतें रही हैं। आज भी अक्सर जेन-जी को लेकर यह धारणा बनाई जाती है कि वे रीढ़र और सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोए हुए हैं, वे एकग्रता की कमी से जूझ रहे हैं और अपनी संस्कृति से दूर जा रहे हैं। लेकिन डॉ. मोहन भागवत ने इन तमाम



रूढ़िवादिता को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आज की युवा पीढ़ी पिछली पीढ़ियों की तुलना में कहीं अधिक ईमानदार, पारदर्शी, जागरूक और देशभक्त है।

संघ प्रमुख का यह कहना कि वे ढ़्हनई पीढ़ी पर आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, ढ़्ह एक बहुत बड़ा वक्तव्य है। यह भरोसा इस समझ से उपजा है कि आज का युवा पाखंड को पसंद नहीं करता। वह जो सोचता है, वही बोलता है; उसकी कथनी और करनी में दिखावा नहीं होता। उनकी देशभक्ति किसी प्रदर्शनकारी राष्ट्रवाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि देश को आंतरिक रूप से मजबूत और अधिक न्यायसंगत बनाने की उनकी स्वाभाविक इच्छा से प्रेरित है। जब देश का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन युवाओं की इस प्रामाणिकता को मान्यता देता है, तो यह युवाओं के आत्मविश्वास को एक नई उड़ान

देता है और पुरानी पीढ़ी के संशय को दूर करता है।

इस संदेश का सबसे महत्वपूर्ण और चर्चा में रहने वाला हिस्सा वह था, जहां डॉ. भागवत ने युवाओं के विरोध प्रदर्शनों और उनके अधिकारों की बात की। पिछले कुछ वर्षों में देश ने विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक मुद्दों पर छात्रों के उग्र आंदोलन देखे हैं। दुर्भाग्यवश, कई बार ऐसे आंदोलनों को फौरन दबाने या उन्हें देश-विरोधी या गुमराह बताने की कोशिशों की जाती रही हैं। लेकिन सरसंघचालक ने इस पर बेहद परिपक्व और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण रखा। उन्होंने साफ़ किया कि व्यवस्था, सरकारी नीतियों या किसी घटना के खिलाफ आवाज उठाना और विरोध प्रदर्शन करना युवाओं का लोकतांत्रिक अधिकार है। युवाओं का गुस्सा व्यवस्था को ध्वस्त करने के लिए नहीं, बल्कि उसे सुधारने, पारदर्शी बनाने और

अधिक जवाबदेह देखने के लिए होता है। किसी आंदोलन में शामिल होने मात्र से कोई युवा देश-विरोधी नहीं हो जाता। यह बयान उन ताकतों के लिए एक कड़ा सबक है जो हर असहमति की आवाज को दबा देना चाहती हैं। लोकतंत्र की असली ताकत निरंतर संवाद में है, दमन में नहीं, और युवाओं का विरोध इसी स्वस्थ संवाद की मांग करता है।

आज का युवा सूचना क्रांति के उस दौर में जी रहा है जहां दुनिया भर का ज्ञान उसकी उंगलियों पर है। वह किसी भी बात या परंपरा को सिर्फ इसलिए चुपचाप नहीं मान लेता क्योंकि वह किसी बुजुर्ग या प्राचीन व्यवस्था ने कही है। वह तर्क चाहता है, वह प्रमाण चाहता है, वह न्यायसंगत कारण चाहता है। डॉ. मोहन भागवत ने युवाओं के इस खोजी स्वभाव और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की खुलकर सराहना की है। उन्होंने माना कि आज की पीढ़ी बिना डरे सीधे सवाल पूछता है और पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वे इन सवालों से भागने या नाराज होने के बजाय उनसे ठोके तार्किक और संतोषजनक जवाब दें।

यह दृष्टिकोण संघ की पारंपरिक छवि से अलग और प्रगतिशील है। संघ प्रमुख का यह मानना कि समस्याओं या असंतोष का समाधान नहीं अपेक्षा से नहीं हो सकता, आज के समय की सबसे बड़ी नीतिगत

स्टारलंक की दस्तक और भारत की रणनीतिक चिंताएँ

हैं। इनकी सहायता से दूरस्थ गाँवों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों और सीमावर्ती इलाकों तक कनेक्टिविटी पहुँचाई जा सकती है, जहाँ पारंपरिक दूरसंचार अवसंरचना स्थापित करना कठिन और महँगा होता है। हालाँकि, इन सेवाओं की वैश्विक प्रकृति, पोटेंबल टर्मिनलों और विदेशी कंपनियों पर निर्भरता के कारण नियामक संस्थाओं के सामने नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं।

सबसे प्रमुख चुनौती आतंकवादी गतिविधियों में संभावित दुरुपयोग की है। दूरदराज के क्षेत्रों में सक्रिय आतंकवादी संगठन या अन्य गैर-राज्यीय तत्व उपग्रह संचार प्रणालियों का उपयोग अपनी गतिविधियों के समन्वय के लिए कर सकते हैं। मणिपुर में वर्ष 2024 के दौरान स्टारलंक-ब्रांडेड उपकरण मिलने की खबरों ने इस आशंका को चर्चा में ला दिया था। हालाँकि, किसी उपकरण की बरामदगी अपने आप में

उसके वास्तविक उपयोग या किसी संगठन से उसके संबंध का निर्णायक प्रमाण नहीं है। इसलिए, सुरक्षा आकलन विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और तकनीकी जाँच पर आधारित होना चाहिए। दूसरी चुनौती सीमा पर अपराध और तस्करी से संबंधित है। भारत की लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमाएँ, विस्तृत समुद्री क्षेत्र और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के संदर्भ में स्टारलंक उपकरणों की चर्चा भी हुई थी। ऐसे मामलों में उपकरणों की वास्तविक भूमिका को पुष्टि आवश्यक है, क्योंकि केवल उनकी मौजूदगी से

तस्करी और उपग्रह नेटवर्क के बीच प्रत्यक्ष संबंध सिद्ध नहीं होता। तीसरी चुनौती डेटा संप्रभुता और विदेशी नियंत्रण की है। उपग्रह नेटवर्क का संचालन, तकनीकी प्रबंधन और डेटा-संबंधी कुछ प्रक्रियाएँ भारत से बाहर नियंत्रित हो सकती हैं। इससे यह प्रश्न उठता है कि भारतीय उपयोगकर्ताओं के संचार संबंधी आँकड़ों पर किसका नियंत्रण होगा, उनका प्रसंस्करण कहाँ किया जाएगा और भारतीय कानूनों के अंतर्गत आवश्यक सूचनाओं तक पहुँच कैसे सुनिश्चित होगी। यदि इन विषयों पर स्पष्ट नियम नहीं होंगे, तो जाँच एजेंसियों और नियामकों के लिए अपने कानूनी अधिकारों का प्रभावी प्रयोग कठिन हो सकता है। चौथी चुनौती वैध निगरानी और कानून प्रवर्तन की है। पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क में सेवा प्रदाताओं, लाइसेंसिंग शर्तों और घरेलू नेटवर्क अवसंरचना के माध्यम

से कानूनी निगरानी की व्यवस्था लागू की जा सकती है। उपग्रह इंटरनेट में वदेशी नेटवर्क संचालन और सीमा-पार डेटा प्रवाह के कारण इन व्यवस्थाओं को लागू करने के लिए अतिरिक्त तकनीकी क्षमता तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता हो सकती है। यदि सेवा प्रदाता भारतीय कानूनों के अनुरूप वैध आदेशों का पालन करने में सक्षम नहीं हैं, तो आतंकवाद, संगठित अपराध और साइबर अपराध की जाँच प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर, निगरानी की शक्तियों का प्रयोग स्पष्ट कानून, आवश्यकतानुपात और जवाबदेही के अधीन होना चाहिए, ताकि नागरिकों की निजता और मौलिक अधिकार सुरक्षित रहें। पंचवीं चुनौती रणनीतिक निर्भरता की है। पारंपरिक दूरसंचार नेटवर्क में सेवा प्रदाताओं, लाइसेंसिंग शर्तों और घरेलू नेटवर्क अवसंरचना के माध्यम

युद्ध के समय अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो सकती है। ऐसी प्रणालियाँ संचार व्यवस्था को बनाए रखने में सहायता करती हैं, लेकिन किसी विदेशी कंपनी के व्यावसायिक निर्णय, सेवा की शर्तों में बदलाव या तकनीकी व्यवधान पर अत्यधिक निर्भरता राष्ट्रीय हितों के लिए जोखिम बन सकती है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आपातकालीन परिस्थितियों में उसकी महत्त्वपूर्ण संचार सेवाएँ किसी एक विदेशी प्रदाता पर निर्भर न रहें। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले स्पष्ट और प्रभावी लाइसेंसिंग िन्याम, आवश्यक है। उपग्रह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को दूरसंचार विभाग, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राथिकरण केन्द्र तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की लागू आवश्यकताओं का पालन करना चाहिए। प्रक्रियाएँ पारदर्शी, समयबद्ध तथा समान मानकों पर आधारित हों।

बस्ते में डाल दिया है। यही कारण है कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इतेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी लगातार अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी पर हमलावर रहते हैं। ओवैसी और समुदाय के कुछ आलोचकों का यह तर्क तेजी से जमीन पकड़ रहा है कि जो नेता अपने मूल धार्मिक और वैचारिक दायरे में स्पष्ट नहीं है, वह दूसरों के लिए कितना वफादार था। आखिर, मुस्लिम समाज के एक वर्ग में यह भावना घर कर रही है कि सपा केवल चुनावों के वक्त उनके वोटों का इस्तेमाल तो करती है, लेकिन इसके बाद वास्तविक मुद्दों पर खुलकर सामने आने से बचती है। यह असमंजस समाजवादी पार्टी के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है, क्योंकि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण ही पार्टी की राजनीतिक ताकत का मुख्य आधार रहा है।अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का नया राजनीतिक मंत्र गढ़ा था, लेकिन इसके बार-बार बदलते अर्थों ने राजनीतिक गलियारों में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है।

कभी ए का मतलब अल्पसंख्यक बताया जाता है, तो कभी इसे आधी आबादी (महिलाएं) से जोड़ा जाता है।

हाल ही में पीडी के दायरे में पंडित (सर्वण वर्ग) को शामिल करने के संकेतों ने इस फॉर्मूले की वैचारिक स्पष्टता पर ही सवालिया निशान लगा दिया है। जबकि हो यह है कि जब किसी राजनीतिक नारे या समीकरण का दायरा बहुत अधिक फैला दिया जाता है, तो उसका मूल वैचारिक उद्देश्य कमजोर पड़ने लगता है।

आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान है हथकरघा

दिलीप कुमार पाठक

आजकल हम जब भी कपड़े खरीदने की सोचते हैं, तो सीधे बड़े-बड़े मॉल या नामी ब्रांड्स के शोरूम की तरफ भागते हैं। लेकिन इस चक्काचौंध में हम अपने ही देश के गाँवों में रची उस जादुई कला को भूल जाते हैं, जो सिर्फ हाथों के हुनर से कठे धागों में जान फूँक देती है। हर साल सात अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कोई सरकारी रथम नहीं है। यह दिन हमारे देश के उन लाखों बुनकरों के टैलेंट और मेहनत को सलाम करने का मौका है, जो सदियों से भारत को अपनी कला से सजा रहे हैं। इस दिन का हमारी आजादी की लड़ाई से बहुत गहरा नाता है। जब अंग्रेजों ने हमारे देश को बांटने की कोशिश की, तो सात अगस्त के दिन ही कोलकाता से स्वदेशी आंदोलन की शुरुआत हुई थी। उस समय विदेशी कपड़ों को लकाकर अपने देश के हाथों से बने कपड़ों को अपनाना अंग्रेजों के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार बना था।

इसी ऐतिहासिक दिन को याद रखने के लिए सरकार ने करीब एक दशक पहले इस दिवस को मनाने का फैसला किया। तब से यह दिन सिर्फ इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अपने गाँव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का जरिया बन गया है। अगर देश की तरक्की की बात

पिछड़ों और दलितों के अधिकारों की बात करने वाली पार्टी यदि अचानक सर्वण जातियों को भी इसी खेमे में फिट करने की कोशिश करती है, तो इससे मूल कार्यकर्ताओं के बीच भ्रम फैलता है। आलोचकों का मानना है कि यह सब केवल तात्कालिक चुनावी नफा-नुकसान को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिसमें दूरगामी वैचारिक हड़ता का अभाव साफ झलकता है। इतना ही नहीं, अखिलेश यादव की राजनीतिक शैली में अब आक्रामकता और तंज की प्रधानता बढ़ गई है। वह किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर सीधी बात करने के बजाय सियासी नफा-नुकसान को तरजीह देते हैं। इसके साथ ही, हालिया दौर में उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा संसद से लेकर विधानसभा तक किए जाने वाले हंगामे और लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सीमाओं को लांघने की प्रवृत्ति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जब मीडिया द्वारा उनसे कोई कड़े या तीखे सवाल पूछे जाते हैं, तो उसे गोदी मीडिया या भाजपा का प्रवक्ता कहकर टाल देना राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक नहीं माना जाता है। एक बड़े राजनीतिक दल के मुखिया से यह अपेक्षा की जाती है कि वह आलोचनाओं का सामना तर्कों के साथ करे, न कि उन्हें खारिज करके। यह प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि विश्व असेहज करने वाले सवालों से बचने का रास्ता तलाश रहा है, जो लोकतांत्रिक संवाद के लिहाज से स्वस्थ परंपरा नहीं है। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यह मुकाबला केवल दो दलों की वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि कार्यशैली, विश्वसनीयता और बदलते समीकरणों की एक लंबी और खिल शतरंज की चाल बन चुका है।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 94 वाहनों का ई-चालान

मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने वालों पर कार्रवाई, स्कूल वाहनों की भी हुई सघन चेकिंग



सबसे तेज प्रयागराज
काँशगंजी। सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मंगलवार को जिले के सभी थानों और यातायात पुलिस की टीमों ने प्रमुख मार्गों, चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर सघन चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 94 वाहनों का ई-चालान किया गया। अभियान के दौरान पिकअप, ट्रैक्टर समेत अन्य मालवाहक वाहनों में अवेध रूप से सवारियां बैठाकर ले जाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने वाहन चालकों को हिदायत दी कि मालवाहक वाहनों में सवारियों को बैठाकर परिवहन न करें, क्योंकि इससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। पुलिस टीमों ने स्कूल वाहनों की भी सघन जांच की। चालकों को निर्धारित मानकों और यातायात नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सावधानियां बरतने की हिदायत दी गई। इसके अलावा सदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच की गई। वाहनों के जरूरी अभिलेख, नंबर प्लेट, हेलमेट और सीट बेल्ट के इस्तेमाल की जांच के साथ इंटरसेप्टर स्पीड रडार गन से ओवरस्पीडिंग पर भी नजर रखी गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई। पुलिस से वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने की अपील की।

देव दीपावली में आगंतुकों को मिलेगा 'दिव्य काशी' का अनुभव : जयवीर सिंह
लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने वाराणसी के गंगा घाटों पर देव दीपावली की अलौकिक आभा को करीब से अनुभव करने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन विभाग ने खास टूर पैकेज तैयार किया है। देव दीपावली पर काशी की आध्यात्मिक आभा, दीपों से सजे गंगा घाटों और समृद्ध धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत का अविस्मरणीय अनुभव कराने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (यूपीएसटीडीसी) ने चार दिन-तीन रात का विशेष 'देव दीपावली-दिव्य काशी अनुभव' टूर पैकेज तैयार किया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस अनूठी पहल के माध्यम से देश-दुनिया से आने वाले पर्यटक काशी की प्राचीन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और देव दीपावली की भव्यता को एक ही यात्रा में अनुभव कर सकेंगे।

रावण दहन से पहले फटा कार्बाइड सिलिंडर, बच्ची समेत चार घायल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के नौबक्ता थाना क्षेत्र के धरीपुरवा में देर रात रावण दहन से पहले हीलियम सिलिंडर फटने से गुब्बारा विक्रेता समेत चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो साल की बच्ची भी शामिल है। हादसे के बाद मेले में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल गुब्बारा विक्रेता को एएलएलअर अस्पताल रेफर किया गया।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने



बताया कि गुब्बारा विक्रेता निर्माणाधीन डिवाइडर के अंदर

सिलिंडर रखकर गुब्बारों में गैस भर रहा था। शुरूआती जानकारी के

यूपी पुलिस का मानवीय चेहरा बना संकटमोचक, चार हजार से अधिक लोगों को आत्मघाती कदम उठाने से बचाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पुलिस की भूमिका अब अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट में फंसे लोगों की जिंदगी बचाने और उन्हें भावनात्मक सहारा देने में भी संवेदनशीलता के साथ आगे आ रही है। राज्य सरकार में तकनीक और त्वरित पुलिस कार्रवाई के समन्वय से मानवीय पुलिसिंग की ऐसी मिसालें सामने आई हैं, जहां सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए आत्महत्या संबंधी संदेशों की गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने समय रहते लोगों तक पहुंचकर उनकी जान बचाई। एक जनवरी 2023 से 10



अक्टूबर 2026 के बीच ऐसे अलर्ट पर कार्रवाई करते हुए यूपी पुलिस ने 04 हजार से

अधिक लोगों की जान बचाई है। यूपी पुलिस और मेटा कंपनी के बीच वर्ष 2022 से चल रही

व्यवस्था इस दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। इसके तहत फेसबुक या इंस्टाग्राम पर आत्महत्या से संबंधित पोस्ट सामने आने पर मेटा कंपनी पुलिस महानिदेशक मुख्यालय स्थित सोशल मीडिया सेंटर को ई-मेल और फोन के माध्यम से अलर्ट भेजती है। पुलिस मुख्यालय अलर्ट मिलते ही संबंधित व्यक्ति की लोकेशन का पता लगाकर स्थानीय पुलिस को कार्रवाई के लिए सूचित करता है। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर संबंधित व्यक्ति को सुरक्षित करने और उसे मानसिक संबल देने का प्रयास करती है।

मीरपुर : विकास भवन में 10 कर्मचारियों के विरुद्ध जिलाधिकारी ने की कार्रवाई, निरीक्षण में मिली गड़बड़ियां

विकास भवन के निरीक्षण में मिली अव्यवस्थाएं, नाजिर को कड़ी लगाई फटकार

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में जिलाधिकारी अशोक कुमार ने बुधवार को प्रातः 10 बजे विकास भवन का औचक निरीक्षण कर विभिन्न कार्यालयों की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न स्थानों पर गंदगी, अव्यवस्थित



सामग्री, रखरखाव में लापरवाही तथा उपस्थिति संबंधी कमियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को

कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाने तथा कार्यालयों में अनुशासन, स्वच्छता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान जिला समाज कल्याण कार्यालय, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण कार्यालय, अल्पसंख्यक

मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत गंगानगर जोन में चला जागरूकता अभियान, महिलाओं को बताया अधिकार



बताए गए। उन्हें सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक प्रयोग करने, अनजान लोगों से अपनी निजी जानकारी साझा न करने और किसी भी तरह की ऑनलाइन छेड़छाड़ होने पर तुरंत शिकायत करने की सलाह दी गई। टीम ने कहा कि यदि कोई शोहदा परेशान

करे तो तुरंत डायल 112 या मिशन शक्ति टीम को सूचना दें। हेल्यलाइन नंबरों की दी जानकारी, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर टीम ने छात्राओं और महिलाओं को विभिन्न हेल्यलाइन नंबरों, पुलिस आपात सेवा 112, वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्यलाइन 181, सीएम

हेल्यलाइन 1076, साइबर हेल्यलाइन 1930 के बारे में बताया और जागरूकता पम्पलेट भी वितरित किए। गंगानगर पुलिस ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर कमिश्नरेट पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

प्रदेश के 96 प्रतिशत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खान एकेडमी पर पंजीकृत, डिजिटल शिक्षण को विस्तार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बालिका शिक्षा को आधुनिक शिक्षण संसाधनों से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में खान एकेडमी के माध्यम से छात्राओं को गणित और विज्ञान में कौशल विकसित करने के लिए डिजिटल अभ्यास का अवसर मिल रहा है। खान एकेडमी की एक से 15 अक्टूबर की मध्य-माह प्रदर्शन रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 96 प्रतिशत केजीबीवी इस मंच पर पंजीकृत हैं। कुल 80 हजार 078 छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। उनमें से 66 हजार 996 छात्राओं के अकाउंट सक्रिय हो चुके हैं। वहीं, 30 हजार 503 छात्राओं ने निर्धारित मासिक लक्ष्य का कम-से-कम 50 प्रतिशत हासिल किया है। यह पहल छात्राओं में विषयगत समझ, नियमित अभ्यास और सीखने की दक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

खीरी, सहारनपुर और गाजियाबाद की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन
जनपदवार प्रदर्शन में गाजियाबाद, सहारनपुर और खीरी ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के अकाउंट सक्रिय हो चुके हैं। वहीं, 30 हजार 503 छात्राओं ने निर्धारित मासिक लक्ष्य का कम-से-कम 50 प्रतिशत हासिल किया है। यह पहल छात्राओं में विषयगत समझ, नियमित अभ्यास और सीखने की दक्षता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।



अनुसार, सहारनपुर में 92 प्रतिशत, गाजियाबाद में 89 प्रतिशत और खीरी में 81 प्रतिशत छात्राओं ने मासिक लक्ष्य का कम-से-कम 50 प्रतिशत प्राप्त किया। इन जनपदों की उपलब्धि डिजिटल शिक्षण के प्रभावी उपयोग और छात्राओं को नियमित अभ्यास से जोड़ने के प्रयासों को रेखांकित करती है।

डिजिटल अभ्यास से मजबूत होगी गणित-विज्ञान की नींव
खान एकेडमी कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को गणित और विज्ञान में दक्ष बनाना है। निर्धारित मासिक लक्ष्य के अनुसार, प्रत्येक छात्रा को दोनों विषयों में कम-से-कम चार-चार कौशलों में दक्षता यानी प्रोफिशिएंट/मास्टर्ड स्तर प्राप्त करना है। डिजिटल मंच के माध्यम से छात्राओं

करते हुए वीर पुलिस अधिकारियों को प्राणों का बलिदान देना पड़ा। पुलिस को मिली कार्रवाई की स्वतंत्रता मुख्यमंत्री ने साफ किया कि नए उत्तर प्रदेश में कानून से ऊपर कोई नहीं है। उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव प्रदेश बना है। पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की स्वतंत्रता मिली है। 2.26 लाख से अधिक पुलिस भर्तियों, प्रशिक्षण क्षमता में 10 गुना वृद्धि, सात बड़े शहरों में कमिश्नरेट प्रणाली, प्रत्येक जनपद में साइबर थाने तथा प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना से पुलिस व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और जवाबदेह बनी है। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 88 हजार 973 अपराधियों पर कार्रवाई और 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति की जब्ती अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि हमारा संकल्प है कि वीर पुलिस कार्मिकों के बलिदान और उनके परिवारों के त्याग को सदैव स्मरण रखते हुए हम उत्तर प्रदेश को सुरक्षित, न्यायपूर्ण और भयमुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

फॉरेंसिक साइंस की छात्रा के आत्महत्या मामले में प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जनपद गौतमबुद्धनगर नोएडा में थाना सेक्टर 113 क्षेत्र में रहने वाली फॉरेंसिक साइंस की छात्रा के आत्महत्या करने के मामले में बुधवार सुबह को उसके पिता ने उसके प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। पिता का आरोप है कि आरोपित के उल्टीड़न और मारपीट के चलते उसकी बेटी ने आत्महत्या की है।

थाना सेक्टर- 113 के प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि राजेश बाबू कटियार निवासी कानपुर ने बुधवार सुबह



थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी बेटी कुमारी नैना कटियार संस्कृति यूनिवर्सिटी जनपद मथुरा से फॉरेंसिक साइंस में बीएससी

तृतीय वर्ष की छात्रा थी। उनके अनुसार वह अपने मौसरे भाई अमित निवासी सेक्टर -73 के पास परीक्षा देने के लिए आकर रह रही

विधान परिषद चुनाव: मतदान कार्मिकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान कराने के निर्देश

फरुखाबाद
उत्तर प्रदेश के फरुखाबाद जनपद की जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की अध्यक्षता में बुधवार को विकास भवन सभागार, फतेहगढ़ में विधान परिषद के आगार खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव के लिए मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें कार्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया, उनके दायित्वों और मतदान संबंधी नियमों की जानकारी देते हुए निष्पक्षता एवं सतर्कता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी

मतदान कार्मिक निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें और प्रशिक्षण में बताई गई प्रक्रियाओं का गंभीरता से पालन करें। किसी भी प्रकार की शंका होने पर तत्काल उसका समाधान कराएं, ताकि मतदान के दिन कोई भ्रम या त्रुटि न हो। उन्होंने मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने, मतपत्रों को रखरखाव एवं वितरण, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने तथा मतदान समाप्त होने के बाद निर्वाचन सामग्री और अभिलेखों को नियमानुसार जमा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मतदान केंद्रों पर सभी मतदाताओं और प्रत्याशियों के प्रति समान व्यवहार किया जाए तथा

किसी भी प्रकार के पक्षपात या लापरवाही से बचा जाए। प्रशिक्षण में मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, निर्वाचन संबंधी समस्याओं की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने और निर्धारित समयसीमा में सभी प्रक्रियाएं पूरी करने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्वाचन की तैयारियां समय से पूरी करने तथा मतदान कार्मिकों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। विधान परिषद मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारु ढंग से संपन्न कराने के लिए डीएम ने मतदान कार्मिकों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश।

युवक की हत्या के बाद बवाल, गुस्साई भीड़ ने आधा दर्जन घरों में लगाई आग; कई थानों की पुलिस तैनात

मुजफ्फरपुर। जिले के करजा थाना व मेला घूमने गए एक युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया। देर रात पोस्टमार्टम के बाद मृतक का शव गांव पहुंचते ही आक्रोशित लोगों ने जमकर उपद्रव किया और आरोपियों के घरों में आग लगा दी। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। कई थानों की पुलिस के साथ अतिरिक्त बल को मौके पर तैनात किया गया है। सूचना मिलने

पर सिटी एसपी मोहिबुल्लाह अंसारी, एसडीपीओ सरैया अभिजित कौर सहित आधा दर्जन थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है और पुलिस घटनास्थल पर कैप कर रही है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि करजा थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर खाजे गांव निवासी नवनीत कुमार देर रात अपने आधा दर्जन दोस्तों के साथ मेला घूमने निकला था। इसी दौरान किसी बात को लेकर नवनीत और उसके दोस्तों के बीच विवाद हो गया, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गया।



आरोप है कि विवाद के बाद दोस्तों ने नवनीत कुमार की जमकर पिटाई की और उसे चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इलाज के दौरान उसकी मौत

हो गई।

घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। सुबह जैसे ही नवनीत का शव गांव पहुंचा, उसे

देखकर स्थानीय लोग उग्र हो गए।

मृतक और आरोपी अलग-अलग जातियों से ताल्लुक रखते हैं। इस वजह से तनाव और बढ़ गया। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों के घरों को निशाना बनाया और करीब आधा दर्जन घरों में आग लगा दी। आगजनी के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल और दमकल की गाड़ियां तैनात की गईं। जिले से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया। अग्निनशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस मामले में आगे

की कार्रवाई कर रही है।

इस घटना को लेकर मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतिस कुमार मिश्र ने कहा कि हत्या के मामले में पुलिस त्वरित और अग्रेतर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कानून को अपने हाथ में लेने वाले किसी भी उपद्रवी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस कैप कर रही है और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। 'चार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया' वहीं, शाम करीब पांच बजे

पटना गैस सिलेंडर विस्फोट में कई लोग घायल, एक की स्थिति गंभीर, अस्पताल में भर्ती

पटना। राजधानी पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र स्थित गोसाईं टोला मोड़ पर उस वक्त कोहराम मच गया, जब रोज की तरह खाना पकाते समय छोटा गैस सिलेंडर अचानक धमाके के साथ फट गया। इस दर्दनाक हादसे में कई लोग झुलस गए, जिनमें से एक युवक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। धमाके की गुंज से सहमे आसपास के लोग जब तक तक वहां चीख-पुकार मच चुकी थी।

स्थानीय लोगों की मानवीयता ने तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां वे जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। इस हृदयविदारक घटना ने एक बार फिर रसोई में होने वाली जरा सी चूक के बड़े खतरों को सामने ला दिया है।



पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक युवक की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक तौर पर हादसे के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है कि सिलेंडर किस वजह से

और किन परिस्थितियों में फटा।

पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञांति में भी उनकी मौत की पुष्टि की गयी है। हालांकि, गैस सिलेंडर किन परिस्थितियों में फटा और हादसे की वास्तविक वजह क्या थी, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आयी है।पुलिस मामले की जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विधि-2 सुपमा सागर ने बताया कि संजय कुमार गोसाईं टोला में मनोज कुमार के मकान में किरायेदार के रूप में रहते थे। वह मूल रूप से नालंदा जिले के सारे थाना क्षेत्र के अलीनगर के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम स्वर्गीय हारो लाल था। रात खाना बनाने के दौरान उनके घर में गैस

सिलेंडर फट गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गये।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस पदाधिकारियों को मौके पर भेजा गया। पुलिस की मदद से घायल संजय को इलाज के लिए पीएमसीएच पहुंचाया गया। साथ ही उनके परिजनों को भी घटना की जानकारी दी गयी। सोमवार को पीएमसीएच में इलाज के दौरान संजय कुमार की मौत हो गयी। प्रशासन लगातार अपील करता है कि छोटे या बड़े गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल करते समय रेगुलेटर, पाइप और गैस की गुणवत्ता की निम्नित जांच अवश्य करें। जरा सी असावधानी पल भर में किसी हंसते-खेलते परिवार की जिंदगी तबाह कर सकती है।

सीवान में एसी-फ़्रिज गैस की दुकान में भीषण आग, सिलेंडर विस्फोट से दहला इलाका

सीवान, शहर के राजेंद्र पथ स्थित कल्याण ज्वेलर्स के समीप क्यूम मिर्चा मार्केट में सोमवार की रात करीब 7:30 बजे एसी-फ़्रिज के पाटर्स और गैस बेचने वाली एक दुकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गयी। आग लगने की सूचना मिलते ही बिजली विभाग ने पूरे शहर की बिजली काट दी। दुकान में रखे गैस सिलेंडरों में लगातार विस्फोट होने से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। विस्फोट की तेज आवाज से दशहरा मेले का आनंद ले रहे लोग भी दहशत में आ गये।

मप्र : मुख्यमंत्री की घोषणा: अब शहीद पुलिसकर्मी की पत्नी और माता-पिता को मिलेंगे 50-50 लाख

भोपाल मध्य प्रदेश में ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिलने वाली एक करोड़ रुपये की सहायता राशि अब केवल पत्नी को नहीं, बल्कि उनके बुजुर्ग माता-पिता को भी दी जाएगी। सरकार ने सहायता राशि का 50 फीसदी शहीद की पत्नी और 50 फीसदी नके बुजुर्ग माता-पिता को देने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पारिवारिक

परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश का 35 साला पुराने नक्सलवाद के दंश से बाहर आना प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश ने इस चुनौती पर विजय प्राप्त की है। इस लड़ाई में पुलिस जवानों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और अपने प्राणों की आहुति भी दी।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाणा ने बताया कि एक सितंबर, 2025 से 31 अगस्त,

एमएलसी चुनाव और आचार संहिता में उलझा बिहार के 6 लाख शिक्षकों का तबादला, नवंबर में नई उम्मीद

पटना। कैसे हर बार चुनाव आते ही शिक्षकों के सामने ट्रांसफर का लॉलीपॉप लटक दिया जाता है और आचार संहिता का बहाना बनाकर उनकी उम्मीदों के साथ खिलवाड़ किया जाता है। बिहार में शिक्षकों का तबादला अब शिक्षा विभाग का काम नहीं, बल्कि चुनावों का ह्यूमोसम विभागहू बन चुका है। चुनाव आते ही हवा में ट्रांसफर की उम्मीदें तैरने लगती हैं और आचार संहिता की आंधी आते ही वे फिर हवा हो जाती हैं। इसमें उन शिक्षकों के परिवारों, रोजमर्रा के संघर्ष और उनके मानसिक तनाव को केंद्र में रखा जाता है जो सालों से अपने गृह जिले से दूर नौकरी कर रहे हैं। घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर रहकर बच्चों और बुजुर्ग माता-पिता की

राह देख रहे लाखों शिक्षक एक बार फिर मायूस हैं। मनचाही पोस्टिंग का सपना देख रहे इन शिक्षकों के लिए बार-बार बदलती तारीखें सिर्फ एक प्रशासनिक तारीख नहीं, बल्कि उनके सन्न की कठिन परीक्षा है। बिहार राज्य शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 के तहत आवेदन करने वाले करीब 6 लाख शिक्षकों की राह एक बार फिर एमएलसी चुनाव की आचार संहिता ने रोक दी है। ई-शिक्षा कोष पोर्टल के आंकड़ों और विभागीय सूत्रों के मुताबिक, अब नवंबर दूसरे सप्ताह तक ही प्रक्रिया के आगे बढ़ने के आसार हैं। जानकारी के मुताबिक, आदर्श आचार संहिता 31 अक्टूबर तक लागू रहने के कारण प्रक्रिया

प्रभावित है। इसके बाद विभागीय स्तर पर काम आगे बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, सामान्य स्थानांतरण के लिए आवेदन का नया चरण नवंबर के दूसरे सप्ताह से पहले शुरू होना सुनिश्चित दिखाई दे रहा है। हालांकि, यदि जिला और प्रमंडल स्तर पर लंबित काम तेजी से पूरा होता है, तो सात नवंबर का आवेदन लेने की संभावना बन सकती है। यह संभावित समयसीमा है, अंतिम आधिकारिक कार्यक्रम नहीं। बिहार शिक्षक स्थानांतरण नियमावली-2026 के तहत शिक्षकों ने अपने पसंदीदा स्थान पर पोस्टिंग के लिए बड़ी संख्या में आवेदन किया है। शिक्षा विभाग के

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 71,151 सरप्लस शिक्षकों ने ऐच्छिक स्थानांतरण के लिए आवेदन किया है। वहीं, राज्य में सरप्लस शिक्षकों की कुल संख्या करीब 1.60 लाख बताई जा रही है। शिक्षकों की प्रमुख मांग है कि उन्हें गृह पंचायत या अपने घर के नजदीक के स्कूलों में तैनाती का अवसर मिले। कई शिक्षक लंबे समय से अपने गृह जिले से दूर नौकरी कर रहे हैं। ऐसे में मनचाही जगह पर स्थानांतरण उनके लिए पारिवारिक जिम्मेदारियों और रोजमर्रा की परेशानियों से राहत पाने का जरिया है। राज्य के 26 जिलों में इंद्रा-डिस्ट्रिक्ट सरप्लस ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

बिना गार्ड वाले एटीएम से 18.22 लाख की लूट, झिल से खोला कैश बॉक्स; सर्वर टप कर फरार हुए बदमाश

समस्तीपुर। जिले में बदमाशों ने एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया है। हलई थाना क्षेत्र के चकलालशाही चौक पर पुराने थाना भवन के समीप स्थित इंडिया वन एटीएम से बदमाश 18 लाख 22 हजार 500 रुपये निकाल ले गए। की अहले सुबह हुई इस वारदात में बदमाशों ने मशीन के कैश बॉक्स के बोल्ट को ड्रिल से क्षतिग्रस्त कर दिया और नकदी लेकर फरार हो गए।



वारदात के दौरान एटीएम का सर्वर कनेक्शन भी बाधित कर दिया गया, जबकि मशीन की हार्ड डिस्क भी काम नहीं कर रही थी। देर शाम सर्वर से संपर्क टूटने की शिकायत के बाद जब तकनीकी टीम जांच के लिए पहुंची, तब लूट का खुलासा हुआ। हैरानी की बात यह है कि हलई चौक जैसे व्यस्त इलाके में स्थित यह एटीएम 24 घंटे खुला रहता था, लेकिन वहां कोई सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। दुर्गापूजा के मद्देनजर जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम के दावों के बीच हुई इस वारदात ने पुलिस गश्त और एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सर्वर से संपर्क टूटा तो सामने आई 18.22 लाख रुपये की लूट, जानकारी के अनुसार, शाम एटीएम के सर्वर से संपर्क टूटने की शिकायत मिली थी। इसके बाद संबंधित कंपनी की तकनीकी टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान एटीएम में लूट की जानकारी सामने आई। तकनीकी टीम ने तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद हलई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बदमाशों ने मशीन के कैश बॉक्स को खोलने के लिए उसके बोल्ट को ड्रिल से क्षतिग्रस्त किया। इसके बाद कैश बॉक्स खोलकर उसमें रखी नकदी निकाल ली। वारदात के दौरान एटीएम का सर्वर कनेक्शन बाधित कर दिया गया था। मशीन की हार्ड डिस्क भी काम नहीं कर रही थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बदमाशों ने किस तरीके से सर्वर और मशीन के सिस्टम को बाधित किया और किन्ती देर तक इस वारदात को अंजाम दिया।

मुंबई से मंगाया जा रहा एटीएम का सीसीटीवी फुटेज, घटना की सूचना मिलने के बाद पटोरी के डीएसपी बीके माधवी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने एटीएम और आसपास के इलाके का निरीक्षण किया। चूंकि एटीएम के सीसीटीवी कैमरों की निगरानी ऑनलाइन होती है और उनका कंट्रोल मुंबई से संचालित किया जाता है, इसलिए संबंधित कंपनी से फुटेज उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। पुलिस को उम्मीद है कि सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद बदमाशों की गतिविधियों, उनकी संख्या और वारदात को अंजाम देने के तरीके से जुड़ी अहम जानकारी मिल सकेगी। जांच में यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि बदमाशों ने घटना से पहले एटीएम की रेकी की थी या उन्हें मशीन की तकनीकी बनावट और सुरक्षा व्यवस्था की पहले से जानकारी थी।

एसपी बोले- बदमाशों को एटीएम की तकनीकी जानकारी होने की आशंका समस्तीपुर के एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों को एटीएम मशीन की तकनीकी जानकारी होने की आशंका है। उन्होंने यह भी बताया कि एटीएम में सुरक्षा गार्ड तैनात नहीं था। पुलिस इस आशंका से भी इनकार नहीं कर रही है कि वारदात में स्थानीय स्तर पर किसी लाइनर की भूमिका हो सकती है। एसपी के अनुसार, मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। सीसीटीवी का स्टोरेज फुटेज मुंबई से मंगाया जा रहा है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना का उद्घेदन करने का प्रयास किया जा रहा है।

24 घंटे खुला रहता था एटीएम, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल। चकलालशाही चौक पर स्थित इंडिया वन एटीएम 24 घंटे खुला रहता था। यह जंदाहा-समस्तीपुर मुख्य सड़क के किनारे स्थित है, जहां दिन-रात लोगों की आवाजाही बनी रहती है। इसके बावजूद वहां सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं थी। इस वजह से एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि पुराने थाना भवन के आसपास पहले पुलिस की मौजूदगी और आवाजाही अधिक रहती थी। नए थाना भवन में स्थानांतरण के बाद इलाके में पुलिस की गश्त को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस गश्त में कमी और वारदात के बीच किसी संबंध की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एटीएम के तकनीकी सिस्टम को बाधित कर इतनी बड़ी रकम निकाल ले जाने से यह आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों ने वारदात को अंजाम देने से पहले पूरी तैयारी की थी। घटना के तत्काल सामने नहीं आने और कंपनी को इसकी जानकारी देर से मिलने से भी सुरक्षा निगरानी की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद चौक के दुकानदारों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त बाजार क्षेत्र में इस तरह की वारदात से आम लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

छह महीने पहले मोहनपुर रोड के एटीएम से 2.11 लाख रुपये उड़ाए थे, समस्तीपुर जिले में एटीएम को निशाना बनाने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 23 अप्रैल को मुफ़सिल थाना क्षेत्र के मोहनपुर रोड स्थित केनरा बैंक के एटीएम में बदमाशों ने गैस कटर से मशीन काटकर करीब 2.11 लाख रुपये निकाल लिए थे। वारदात के बाद बदमाश स्कॉपियों से फरार हो गए थे। उस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, लेकिन करीब छह महीने बीतने के बाद भी मामले का उद्घेदन नहीं हो सका है। न तो आरोपितों की गिरफ्तारी हुई और न ही चोरी की गई रकम बरामद की जा सकी है। अब चकलालशाही चौक स्थित इंडिया वन एटीएम से 18 लाख 22 हजार 500 रुपये की लूट ने एक बार फिर जिले में एटीएम की सुरक्षा व्यवस्था और ऐसी घटनाओं के खुलासे को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस के सामने अब बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के साथ-साथ लूट गई रकम बरामद करने की भी चुनौती है।

एसपी ने कहा- सभी बिंदुओं पर हो रही जांच, एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने दोहराया कि एटीएम की तकनीकी जानकारी रखने वाले बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया है। मामले में स्थानीय लाइनर की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एटीएम का सीसीटीवी फुटेज मुंबई से मंगाया जा रहा है और पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। एसपी ने जल्द ही घटना का उद्घेदन करने की बात कही है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक,अरवल किरण कुमार गोरख जाधव ने पदभार ग्रहण किया

अरवल। अरवल जिले में नव पद स्थापित पुलिस अधीक्षक किरण कुमार गोरख जाधव ने योगदान देते ही पत्रकारों के साथ वार्ता कर कहा कि उन्होंने अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था, लंबित कांडों के निषादन और आम जनता की सुरक्षा को अपनी प्रमुख प्राथमिकताएं बताया।



एसपी की प्रमुख प्राथमिकताएं, सुखे नशे पर शिकंजा: युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले अवैध कारोबारियों और सिंडिकेट के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। **चौरी पर अंकुश:** चौरी की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए रात्रि गश्ती तेज करने और सक्रिय गिराहों व सट्रियों पर नजर रखने पर जोर रहेगा। **अपराध नियंत्रण:** अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कानून-व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। लंबित कांडों का निषादन: लंबित मामलों के अनुसंधान में तेजी लाने, नियमित समीक्षा करने और कांडों का समयबद्ध निषादन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान रहेगा। दुर्गा पूजा में सुरक्षा: त्योहार के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी और उपद्रवियों पर निगरानी रखी जाएगी।

वाराणसी में भीषण सड़क हादसा : ओवरब्रिज पर सेल्फी ले रहे 4 दोस्तों को बेकाबू ट्रक ने रौंदा

2 लोग 30 फीट नीचे गिरे, स्कॉर्पियो के उड़े परखच्चे, 3 गंभीर घायल

वाराणसी। प्रयागराज-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया। मिजापुर के मां विंध्याचल धाम से दर्शन कर वाराणसी लौट रहे सात दोस्तों की स्कॉर्पियो को एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के वक्त युवक ओवरब्रिज पर गाड़ी खड़ी कर सेल्फी ले रहे थे।

ट्रक ने रेलिंग के पास खड़े युवकों और गाड़ी को बेरहमी से कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में 4 दोस्तों की जान चली गई, जबकि 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 27 किलोमीटर दूर मिजामुंराद थाना क्षेत्र स्थित रूपापुर गांव के पास बने ओवरब्रिज पर सुबह करीब 6 बजे घटित हुआ। रोंगेट खड़े कर देने वाला मंजर:



15 फीट की गाड़ी 7 फीट की बची टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 15 फीट लंबी स्कॉर्पियो (वह 65 एड 2199) का पिछला और आधा हिस्सा पूरी तरह तबाह होकर मात्र 7 फीट का रह गया:

30 फीट नीचे गिरे दो युवक: ट्रक की टक्कर इतनी घातक थी कि बाहर खड़े युवकों में से 2 उछलकर ओवरब्रिज की रेलिंग

तोड़ते हुए 30 फीट नीचे जा गिरे। सड़क पर पसरा वीभत्स दृश्य: हाईवे पर करीब 25 फीट दूर तक शवों के अवशेष बिखर गए। एक युवक के कमर के नीचे का हिस्सा कटकर अलग हो गया। पॉलीथिन में समेटने पड़े शव: सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और राहत दल को सड़क पर बिखरे शवों को पॉलीथिन में समेटकर पोस्टमॉर्टम

के लिए भिजवाना पड़ा। मृतकों और घायलों की स्थिति मृतक: जान गंवाने वालों में अमन यादव, गोलू और आलोक मिश्रा की शिनाख्त हो चुकी है, जबकि चौथे मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं। घायल: घायलों में कन्हैया यादव और निखिल कुमार शामिल हैं, जबकि तीसरे घायल की शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी ट्रॉमा सेंटर/अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कार में मिली चुनरी और प्रसाद, चालक ट्रक छोड़कर फरार विंध्याचल से लौट रहे थे युवक: पुलिस की प्राथमिक तलाशी में क्षतिग्रस्त स्कॉर्पियो के भीतर से माता की चुनरी, नारियल और प्रसाद के डिब्बे बरामद हुए हैं।

बहराइच में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, हिस्ट्रीशीटर के पैर में लगी गोली, तीन आरोपी गिरफ्तार

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में खैरीघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसओजी और स्थानीय पुलिस की टीम की शातिर चोरों से मुठभेड़ हो गई। जिसके बाद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार नानपाज-खैरीघाट मार्ग पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में खैरीघाट थाने का हिस्ट्रीशीटर आरोपी सम्भारी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। उसके खिलाफ तीन दर्जन से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। इस दौरान पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दूसरी कार में सवार दो बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, खैरीघाट थाना प्रभारी को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग नानपाजा जाने वाली सड़क पर इकट्ठा हुए हैं। आशंका थी कि वे चोरी की योजना बना रहे हैं या चोरी का सामान बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलने के बाद एसओजी प्रभारी और खैरीघाट



थाना प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ इलाके में चेकिंग शुरू की। इसी दौरान सामने से दोपहिया और चारपहिया वाहन आते दिखाई दिए। पुलिस ने वाहनों को रोकने का प्रयास किया, तभी सबसे आगे चल रही कार से एक व्यक्ति नीचे उतरा और पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसमें हिस्ट्रीशीटर सम्भारी के पैर में गोली लग गई। घायल होने के बाद वह मौके पर गिर पड़ा। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर कार में सवार तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार

आरोपियों की पहचान महेश चौहान, मोहित लाल और अनिल विश्वकर्मा के रूप में हुई है। वहीं, पीछे चल रही दूसरी कार में सवार दो बदमाश पुलिस पर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चला रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस, एक अर्टिगा और चोरी के जेवरत व नकदी बरामद हुआ है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर चोरी की अन्य घटनाओं और उनके संभावित साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

यमन: सैन्य शिविर पर मिसाइल हमले में 25 शहीद, 30 घायल

अदन। यमन के दक्षिणपूर्वी प्रांत शबवा में को एक सरकारी सैन्य प्रशिक्षण अड्डे पर तीन मिसाइल हमलों में कम से कम 25 सैनिक मारे गए और 30 से अधिक घायल हो गए। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय सैन्य अधिकारी ने नाम गुप्त रखने की शर्त पर बताया कि तीनों मिसाइलों ने अल-अलम सैन्य अड्डे, विशेष रूप से अताक (प्रांतीय राजधानी) के पास जरदान जिले में स्थित एक प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। उन्होंने इस हमले के लिए हत्ती समूह को जिम्मेदार ठहराया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे फुटेज में घटनास्थल पर कई हताहत दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय चिकित्सा सूत्र ने बताया कि हताहतों की संख्या अभी प्रारंभिक है और बढ़ सकती है। चिकित्सा सूत्र ने बताया कि आपातकालीन और चिकित्सा दल घायलों को शबवा के अस्पतालों में ले जाने में लगे हुए हैं, जबकि शिविर से बरामद कुछ शव बुरी



तरह से जले हुए हैं, जिससे अंतिम हताहतों की संख्या का पता लगाना मुश्किल हो रहा है। अल-अलम, जरदान जिले में स्थित एक विशाल सैन्य अड्डा है, जिसका उपयोग यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार से संबद्ध और सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा समर्थित बलों द्वारा किया जाता है। हतियों ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना यमन में कई मोर्चों पर हतियों और

सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा समर्थित सरकारी बलों के बीच संघर्ष और हमलों के बीच घटी है। एक सरकारी सैन्य अधिकारी ने सिन्हुआ को बताया कि रिविार को यमन के रणनीतिक बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पास भीषण लड़ाई छिड़ गई, जब सरकारी बलों ने क्षेत्र में हतियों के ठिकानों पर एक नया हमला शुरू किया।अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जायंट्स

ब्रिगेड और नेशन शीलड फोर्सेज की टुकड़ियां कई दिशाओं से आगे बढ़ीं और जलडमरूमध्य के प्रवेश द्वारों पर नजर रखने वाले हतियों के महत्वपूर्ण ठिकानों पर कब्जा कर लिया। अधिकारी ने बताया कि हत्ती लड़ाकों ने किलेबंद ठिकानों और इलाकों से आगे बढ़ने का कड़ा विरोध किया, जिसके चलते भीषण झड़पें हुईं। व्यापक बारूदी सुरंगों ने सरकारी बलों के आगे बढ़ने में मुश्किलें खड़ी कर दीं। अधिकारी ने कहा, "यह लड़ाई इस क्षेत्र में अब तक की सबसे भीषण लड़ाइयों में से एक है। हत्ती लड़ाके मजबूती से मोर्चा संभाले हुए हैं और हमारी सेनाएं उनकी रक्षात्मक रेखाओं को भेदने की कोशिश कर रही हैं।" अधिकारी ने बताया कि हत्ती लड़ाकों ने आगे बढ़ रही सरकारी सेना के खिलाफ फाइबर-ऑप्टिक-गाइडेड फर्कट-पर्सन-व्यू आत्मघाती ड्रोन, जिन्हें "शावाज" के नाम से जाना जाता है।

हरियाणा दिवस पर जाट भवन की नई लिफ्ट का सांसद मनीष तिवारी करेंगे शुभारंभ

चंडीगढ़ पंचकुला की कार्यकारी समिति की बैठक सभा के प्रधान डॉ. महेंद्र सिंह मलिक की अध्यक्षता में सेक्टर-27 स्थित जाट भवन में संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में जाट सभा के दिवंगत सदस्यों एवं उनके संबंधियों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात सभा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर क्रमबद्ध तरीके से चर्चा की गई और साथ ही 'चौ. छोटाराम यात्री निवास कटड़ा' के भवन निर्माण की प्रगति पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। बैठक के बाद जानकारी देते हुए जाट सभा के प्रधान डॉ मलिक ने बताया कि जाट भवन चंडीगढ़ में सांसद मनीष तिवारी की सांसद निधि से नवनिर्मित लिफ्ट बन कर तैयार हो गई है, अब उसका उद्घाटन सांसद

अदालत में जो हो रहा है वो मजाक जैसा, सीजेपी लीगल हेड रत्ना सिंह ने कार्यवाही पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ाए जाने के बाद उनके वकीलों और संगठन के पदाधिकारियों ने अदालत की कार्यवाही पर सवाल उठाए हैं। अधिवक्ता अभिक चिमनी, पुष्प शर्मा, सीजेपी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह और प्रवक्ता मेहर पसरीचा ने हिरासत बढ़ाने के फैसले की आलोचना की।

उन्होंने कार्यवाही में प्रक्रियागत अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए आदेश को चुनौती देने की बात कही। सौरव दास और आशुतोष रांका का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता अभिक चिमनी ने बताया कि जब वे अदालत पहुंचे, तब तक पांच दिन की हिरासत की अवधि पूरी हो चुकी थी। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने जमानतदारों की ओर से पेश किए गए दस्तावेजों की पर्याप्त रूप से



स्पष्ट या वैध नहीं माना था। इसके बाद वे नए जमानतदारों के दस्तावेज लेकर अदालत पहुंचे। वहीं, अधिवक्ता अभिषत हेल ने हिरासत की अवधि और सुनवाई की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों को पहले इन्हीं तथ्यों के आधार पर पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। पांच दिन की हिरासत पूरी होने के बाद मामले पर दोबारा सुनवाई हुई। तकनीकी रूप से अब न्यायिक हिरासत के छह दिन हो चुके हैं।

दोनों नेताओं की न्यायिक हिरासत बढ़ाए जाने पर सीजेपी लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह ने अदालत की कार्यवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि अदालत में जो कुछ हो रहा है, वह मजाक जैसा है। कार्यवाही में कानून के पहलुओं पर उचित चर्चा नहीं हुई। रत्ना सिंह ने कहा कि मुझे नहीं पता कि अब इसे अदालत कहना भी चाहिए या नहीं, क्योंकि यहां कानून के नजरिए से कोई बात ही नहीं हुई है। उन्होंने अदालत में हुई

पंजाब: अमृतसर पुलिस ने नशीले पदार्थों और अवैध हथियार तस्करी के गिरोह का किया भंडाफोड़

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी गई। डीजीपी की ओर से एक्स पर पोस्ट में लिखा गया, "एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए अमृतसर पुलिस ने नशीले पदार्थों और अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 पिस्तौल (3 ग्लॉक 9 एएमएम और सात .30 बोर) तथा 1.022 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है।" डीजीपी की ओर से जानकारी दी गई, "शुरूआती जांच से पता चला है कि आरोपी विदेशों में बैठे तस्करो के संपर्क में थे, जो कथित तौर पर अवैध हथियार उपलब्ध कराते थे, जिन्हें बाद में आपराधिक तत्वों तक पहुंचाया जाता था। अमृतसर के कैटोममेंट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कर ली



गई है। इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और इसके पीछे की कड़ियों (लिंकेज) का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।" डीजीपी ने आगे लिखा, "पंजाब पुलिस अवैध हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब को सुरक्षित व नशामुक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।" इससे पहले 15 अक्टूबर को भी काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया था। डीजीपी की

ओर से एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी गई थी, "एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर ने सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 1 अर्सेल्ट राइफल (.30 बोर), 2 हैंड ग्रेनेड, 13 पिस्तौलें (जिनमें 4 ग्लॉक पिस्तौलें शामिल हैं) और 25 कारतूस बरामद किए गए।" डीजीपी की ओर से बताया गया था।

मथुरा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद अंतर्जनपदीय गैंग के दो चोरों को किया गिरफ्तार



पुलिस ने दोनों को घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया। घटनास्थल पर पुलिस ने 2 तमचे, कारतूस, चोरी की 2 बैटरियां, 1 गैस सिलेंडर, 99,500 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त ऑरा कार बरामद की है। सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया कि थाना रिफाइनरी क्षेत्र के किशन वाटिका कॉलोनी में संघ लगाकर चोरी हुई थी। पीड़ित की शिकायत पर केस

दर्ज करते हुए आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। आरोपियों द्वारा दोबारा क्षेत्र में आने की सूचना पर थाना रिफाइनरी पुलिस टीम व एण्टी रिवाइंड टीम और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में दोनों बदमाश घायल हो गए हैं। दोनों को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार दोनों बदमाशों के खिलाफ 24 मुकदमे

कानपुर के घाटमपुर में तार चोर गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, गोली लगने से एक बदमाश घायल

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर सर्किल में नीबिया गांव के पास चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गया जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कानपुर के डीसीपी साउथ दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि बीते दिनों घाटमपुर सर्किल में ट्रांसफार्मर से संबंधित उपकरण चोरी करने और बिजली के तार काटने की कई घटनाएं सामने आई थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों ने पुलिस को क्षेत्र में चेकिंग और रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में रविवार देर रात पुलिस टीम नीबिया गांव के



आसपास संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी नीबिया की ओर से एक वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया लेकिन वाहन में सवार दो लोगों ने रकने के बजाय वाहन छोड़ दिया और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इस दौरान एक आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह मौके पर गिर पड़ा।

वहीं, उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को हिरासत में लेकर उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किए। पुलिस ने घायल आरोपी की पहचान पवन के रूप में की। आरोपी हाल ही में जेल से छूटकर आया था और क्षेत्र में बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह में शामिल था। उसके खिलाफ लूट, डकैती, चोरी और तार चोरी सहित 10 मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

बंद कोयला खदानों को उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की सरकार की पहल 'सुविकल्प' को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड

नई दिल्ली

केंद्र सरकार बंद कोयला खदानों की भूमि का वैज्ञानिक तरीके से पुनः उपयोग कर उन्हें पर्यावरण, आजीविका और आर्थिक विकास के लिहाज से उपयोगी परिसंपत्तियों में बदलने की दिशा में काम कर रही है। इस पहल के तहत विकसित डिजिटल टूल सुविकल्प को स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार 26 सितंबर को डिजिटल परिचालन दक्षता-आंकड़ा आधारित निर्णय श्रेणी में प्रदान किया गया। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अधीन कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) ने सुविकल्प नाम से यह डिजिटल टूल विकसित किया है। यह तकनीकी, पर्यावरणीय, सामाजिक



और आर्थिक मानकों के आधार पर बंद खदानों के पुनः उपयोग से

जुड़ी परियोजनाओं का मूल्यांकन और उनकी प्राथमिकता तय करने

की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रिज्म (पोस्ट-माइनिंग रिपरिजिंग इम्प्लीमेंटेशन स्ट्रेटेजी मॉडल) का उपयोग किया जा सकता है। इसमें परियोजना की अवधारणा, क्रियान्वयन के तरीके, उदाहरण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के नमूने, निविदा दस्तावेज और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाली एजेंसियों की जानकारी उपलब्ध है।

सीसीओ ने खदानों को बंद करने और उनके पुनः उपयोग से जुड़ी जानकारी साझा करने के लिए सुविकल्प संवाद वेबिनार श्रृंखला भी आयोजित की। इसके तहत कुल 12 विषयगत वेबिनार हुए। इनमें रिक्लेम और लाइव्स रूपरेखा, सुविकल्प टूल, परियोजना प्रबंधन इकाई की

10 लाख की ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

किशनगंज, जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एएनटीएफ किशनगंज और बहादुरगंज थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 51.43 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। सोमवार को पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान बहादुरगंज थाना क्षेत्र के अली हुसैन चौक, अफसाना रोड, वार्ड संख्या-8 निवासी मो. राजा खान, पिता नियाज खान के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली थी कि मो. राजा खान ब्राउन शुगर लेकर अपने घर की ओर आने वाला है। सूचना के सत्यापन के बाद अनुमंडल पुलिस नेतृत्व में एएनटीएफ और बहादुरगंज थाना पुलिस की टीम ने छापेमारी की।

नारनौल: मूवी डाउनलोड करते ही मोबाइल हैक, किसान दंपति के खाते से उड़े 1.44 लाख

नारनौल। जिले के गांव पाल निवासी एक किसान और उसकी पत्नी साइबर ठगी का शिकार हो गए। मोबाइल पर मूवी डाउनलोड करते समय अचानक एपीके फाइल डाउनलोड होने के बाद दोनों के बैंक खातों से एक लाख 44 हजार रुपये निकल गए। पीड़ित अमित कुमार की शिकायत पर पुलिस ने साइबर ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि शिकायतकर्ता अमित कुमार खेतोंबाड़ी का काम करता है। 18 रुपये कटने का मैसेज आया। इस तरह साइबर ठगों ने दोनों खातों से कुल एक लाख 44 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर ठगी गई रकम वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 19 अक्टूबर को साइबर क्राइम पंचकूला के नोडल थाने से मामले के संबंध में ई-जीरो एफआईआर प्राप्त हुई थी। इसके



चुके थे। वहीं, उसकी पत्नी पूजा के पीएनबी खाते से भी 46 हजार रुपये कटने का मैसेज आया। इस तरह साइबर ठगों ने दोनों खातों से कुल एक लाख 44 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को देकर ठगी गई रकम वापस दिलाने और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, 19 अक्टूबर को साइबर क्राइम पंचकूला के नोडल थाने से मामले के संबंध में ई-जीरो एफआईआर प्राप्त हुई थी। इसके

बाद 20 अक्टूबर को अमित कुमार ने थाने में लिखित शिकायत दी। शिकायत और प्राप्त रिकॉर्ड के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, एफआईआर की रिपोर्ट नियमानुसार इलाका मजिस्ट्रेट और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भेज दी गई है। अब मामले की जांच की जाएगी। मोबाइल में डाउनलोड हुई एपीके फाइल के जरिए ठगी कैसे हुई और रकम किन खातों में ट्रांसफर की गई, इसका पता लगाने के लिए पुलिस जांच में जुटी है।

वीर जवानों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से छत्तीसगढ़ में शांति और सुरक्षा का नया अध्याय : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता हमारे वीर पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के अदम्य साहस, शौर्य, कर्तव्यनिष्ठा और सर्वोच्च बलिदान का परिणाम है। दशकों तक नक्सल हिंसा और भय से प्रभावित रहे बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में आज शांति, सुरक्षा और विश्वास का नया वातावरण बना है। इस ऐतिहासिक परिवर्तन के पीछे उन असंख्य वीर जवानों का त्याग और बलिदान है, जिन्होंने प्रदेश और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अमर शहीदों का बलिदान संदेव हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के माना स्थित चौथी वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के प्रांगण में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को प्रदेशवासियों की ओर से कर्तव्य पथ पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर बलिदानियों को नमन किया और शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने बलिदान पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के परिजनों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके प्रति कृतज्ञता और संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस देश की एकता,



अखंडता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की अमर शौर्यगाथा को स्मरण करने का दिन है। हमारे पुलिस और सुरक्षा बल कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नागरिकों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तत्पर रहते हैं। उनकी वीरता और समर्पण के कारण ही समाज में शांति और सुरक्षा का वातावरण सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा कि 21 अक्टूबर 1959 को लड़ाख में भारत-तिब्बत सीमा पर तैनात भारतीय पुलिस के जवानों ने चीनी सैनिकों के एक बड़े दस्ते का अदम्य साहस के साथ सामना किया था। इस संघर्ष में हमारे 10 वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत की स्मृति में प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस

हमें उन सभी पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस केवल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा की महान परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का भी दिन है। एक जवान जब देश और समाज की सुरक्षा के लिए कर्तव्य पथ पर खड़ा होता है, तब उसके पीछे उसके पूरे परिवार का त्याग, धैर्य और सपना भी जुड़ा होता है। इसलिए हमारे शहीद जवानों के परिवारों का सम्मान और कल्याण सरकार की जिम्मेदारी और सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने बलिदान परिवारों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि राज्य सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है।

पुलिस स्मृति दिवस पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नायगांव पुलिस मुख्यालय स्थित पुलिस स्मारक स्तंभ पर पुष्पचक्र अर्पित कर देशभर में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को श्रद्धांजलि दी। मुंबई के नायगांव में पुलिस ग्राउंड पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा

कि देश की सेवा और कर्तव्यपालन के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों का योगदान संदेव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने 36 पुलिस अधिकारियों और 118 पुलिसकर्मियों सहित कुल 154 शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया। इस दौरान पुलिस बल ने हवाई फायरिंग कर शहीदों को सलामी दी। विभिन्न देशों के दूतावासों के प्रतिनिधि, वरिष्ठ पुलिस

अधिकारी और शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिवारों से मुलाकात कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। पुलिस स्मृति दिवस समारोह के आयोजन और जुलूस के समन्वय की जिम्मेदारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) मधुकर पांडे और विशेष पुलिस महानिरीक्षक (प्रशासन) अभिषेक त्रिमुखे ने संभाली। देश में हर साल 21

रामकुमार सिंह हत्याकांड में मुख्य आरोपित चंदन सिंह समेत दो गिरफ्तार

आरा (भोजपुर)। भोजपुर जिले के चर्चित रामकुमार सिंह हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपित बताए जा रहे चंदन सिंह और उसके साथी अभिषेक यादव को पश्चिम बंगाल के दमदम एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। भोजपुर एसपी अवधेश दीक्षित के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कोलकाता पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की। इससे पहले पुलिस इस मामले में मनोज सिंह उर्फ लक्की को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब दो अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस हत्याकांड से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच में जुटी है। दोनों से पूछताछ के आधार पर घटना की कड़ियां जोड़ने और हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

15 अक्टूबर की सुबह हुई थी हत्या
जानकारी के अनुसार, बीते 15 अक्टूबर की सुबह आरा के कनकपुरी मोहल्ले में रामकुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की थी। हत्याकांड को लेकर इलाके में काफी आक्रोश भी देखा गया था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ कर हत्या के पीछे की वजह, साजिश और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका का पता लगाने में जुटी है। हालांकि, मामले का पूर्ण उद्घेदन होना अभी बाकी है। पुलिस की आगे की जांच और पूछताछ से हत्याकांड से जुड़े अन्य तथ्यों के सामने आने की उम्मीद है।

सांप के डसने से 25 वर्षीय महिला की मौत, परिवार में पसरा मातम

आरा (भोजपुर)। मुफरिसल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में जहरीले सांप के डसने से 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान जमीरा निवासी सोनु भगत की पत्नी सीमा देवी के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। पति और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका के पति सोनु भगत के अनुसार, रविवार की रात खाना खाने के बाद वह अपनी पत्नी और बेटे-बेटी के साथ पलंग पर सो रहे थे। इसी दौरान अचानक सांप ने सीमा देवी को डस लिया।

महिला की चीख सुनकर उनकी नींद खुली। पलंग से नीचे उतरने पर उन्होंने सांप को देखा। इसके बाद सीमा देवी की तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उन्हें आरा सहर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इमरजेंसी वार्ड में चिकित्सकों ने इलाज किया। हालांकि, तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बच सकी। घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

दो वांछित आरोपितों के घर पुलिस ने किया चरपाया इश्तेहार

आरा (भोजपुर)। न्यायालय के आदेश पर चौरी थाना कांड संख्या 106/26 के दो फरार वांछित आरोपितों के घर पुलिस ने इश्तेहार चरपाया। पुलिस ने यह कार्रवाई आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबाव बनाने और उन्हें न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के अनुसार चौरी थाना कांड संख्या 106/26 दिनांक 14 अगस्त 2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 61(2), 3(5) तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इस मामले में फरार चल रहे आरोपितों के विरुद्ध न्यायालय के आदेशानुसार उनके घरों पर इश्तेहार चप्सा किया गया है। वांछित आरोपितों में राजेश्वर सिंह, पिता स्वर्गीय दुबालाल सिंह तथा पिंटू सिंह उर्फ साधु, पिता राजेश्वर सिंह शामिल हैं। दोनों आरोपित चौरी थाना क्षेत्र के भीखमपुर टोला के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। साथ ही, परिजनों को भी स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे आरोपितों को न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित करें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि कानून से बचकर लंबे समय तक फरार रहना संभव नहीं है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

नारनौल में मंगलमुखी समाज के प्रधान ने फांसी लगाकर दी जान

नारनौल। मंगलमुखी किन्नर समाज के प्रधान विनोद सैनी ने मंगलवार रात अपने डेरे पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह डेरे में फंदे से लटक फिले। मृतक ने जान देने से पहले एक वीडियो भी बनाया था। वीडियो में उन्होंने किन्नर समाज के कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, विनोद सैनी ने आत्महत्या से पहले बनाया गया वीडियो अपने कुछ परिचितों को भेजा था। वीडियो देखने के बाद परिचित तुरंत डेरे पर पहुंचे। उन्होंने विनोद सैनी को फंदे से नीचे उतारा और उपचार के लिए एक निजी अस्पताल लेकर गए। हालांकि, वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

शुरूआती जांच में सामने आया है कि विनोद सैनी को सामान्य पुरुष होने और शारीशुदा होने के साथ चार बच्चों का पिता होने को लेकर पिछले करीब दो वर्षों से मंगलमुखी किन्नर समाज के कुछ लोगों के विरोध का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को लेकर समाज के कुछ लोगों के साथ उनका विवाद चल रहा था। विवाद के चलते जिले में कई बार कानुनी, झगड़े और विरोध प्रदर्शन भी हो चुके हैं। मूल रूप से रोहतक के रहने वाले विनोद सैनी पिछले करीब सात वर्षों से नारनौल में मंगलमुखी किन्नर समाज के प्रधान के रूप में कार्यरत थे। उनके द्वारा छोड़े गए वीडियो में लगाए गए आरोपों की पुष्टि होना अभी बाकी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राहुल नावेंकर, मुंबई
उपनगरीय जिले के सह-पालक मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, मुंबई की महापौर रितु तावड़े, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव मनीषा पाटणकर-न्हैसकर, पुलिस महानिदेशक देवानंद दाते और मुंबई पुलिस आयुक्त सदानंद भारती सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

सभी ने पुष्पचक्र अर्पित कर शहीद पुलिसकर्मियों को नमन किया।